।। श्री हरि शरणम्।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 13 अंक - 19

रायसेन

बुधवार, 16 जुलाई 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

भारत के लिए गर्व का क्षण, मुस्कुराते हुए कैप्सूल से बाहर आए अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला।

पृथ्वी पर आपका स्वागत है..., 20 दिन बाद अंतरिक्ष से पृथ्वी पर लौटे कैप्टन शुभांशु

अंतरिक्ष में लहराया भारत का परचम

यह गगनयान मिशन की दिशा में मील का पत्थर: मोदी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला सकुशल पृथ्वी पर वापस लौट आए हैं। उनके कैप्सूल ने कैलिफोर्निया के तट पर सफल लैंडिंग की। इसके बाद वे विशेषज्ञों की मदद से मुस्कुराते हुए कैप्सूल से बाहर आए। यह क्षण भारत के लिए ऐतिहासिक था क्योंकि शुक्ला पहले भारतीय हैं जिन्होंने किसी निजी मिशन के तहत आईएसएस की यात्रा की और सुरक्षित लौटे।

एक्सिओम 4 मिशन के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के ड्रैगन कैप्सूल ने मंगलवार को भारतीय समय के अनुसार दोपहर 3 बज कर दो मिनट पर कैलिफोर्निया के पास प्रशांत महासागर में स्प्लैशडाउन किया। इस दौरान उन्होंने हाथ उठाकर सबका अभिवादन किया। उन्होंने 18 दिनों में पहली बार गुरुत्वाकर्षण का अनुभव किया। इसके बाद शुभांशु शुक्ला को आइसोलेशन रूम में ले जा गया। अगले एक हफ्ते तक शुभांशु और अन्य एस्ट्रोनॉट्स को क्वारंटीन रखा जाएगा।

देश भर में मनाया जश्न

स्प्लैशडाउन पर पूरे देश की निगाहें थी– मंगलवार को पूरा देश अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की सफल वापसी पर नजरें गड़ाए बैठा था। अनुसंधान भवन में उनकी वापसी की लाइव कवरेज भी दिखाई जा रही थी। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद थे। उतरने के करीब एक घंटे बाद जैसे ही ड्रैगन कैप्सूल का हैच खुला, सबसे पहले अमेरिका की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पेगी व्हिटसन बाहर निकलीं। कुछ मिनट बाद शुभांशु शुक्ला मुस्कुराते हुए बाहर आए।

उनके लौटने से देश में खुशी का माहौल है। वहीं, ग्रुप कैप्टन शुक्ला और उनकी टीम को देशभर से शुभकामनाएं दी जा रही हैं। देश के राजनेताओं की ओर से भी इस मिशन की कामयाबी पर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

एक अरब लोगों को शुभांशु शुक्ला ने प्रेरित किया

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, 'मैं पूरे देश की तरफ से ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूं, जो अपने ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से धरती पर लौटे हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में उन्होंने अपनी मेहनत, साहस और नए रास्ते खोलने की भावना से एक अरब लोगों के सपनों को प्रेरित किया है। यह हमारी अपनी मानव अंतरिक्ष उड़ान योजना 'गगनयान' की ओर एक और बड़ा कदम है।'

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का धरती पर स्वागत: राष्ट्रपति मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का अंतरिक्ष यात्रा के बाद धरती पर स्वागत है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सिओम-4 मिशन में उनकी भूमिका ने भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के साथ-साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। इस मिशन से जुड़े लोगों को मेरी बधाई।

हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की एक्सिओम-4 मिशन के तहत सफल वापसी हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने न केवल अंतरिक्ष को छुआ है, बल्कि भारत की आकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उनका अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक का सफर सिर्फ उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि भारत की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं का भी बड़ा कदम है। उन्हें उनके भविष्य के प्रयासों में ढेर सारी सफलता की कामना करता हूं।

310 से ज़्यादा बार पृथ्वी की परिक्रमा की

आईएसएस पर अपने दो सप्ताह से अधिक के प्रवास के दौरान, शुभांशु शुक्ला ने कुल 310 से ज्यादा बार पृथ्वी की परिक्रमा की और लगभग 1.3 करोड़ किलोमीटर की दूरी तय की। यह दूरी पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से 33 गुना अधिक है, जो अपने आप में एक शानदार उपलब्धि है। अंतरिक्ष मिशन के दौरान चालक दल ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से 300 से ज्यादा सूर्योदय और सूर्यास्त देखे — जो पृथ्वी की तेज परिक्रमा की वजह से संभव हुआ। इसी बीच, इसरो ने सोमवार को बताया कि शुभांशु शुक्ला ने अपने मिशन के दौरान सभी सात सूक्ष्म-गुरुत्व प्रयोग और अन्य नियोजित वैज्ञानिक गतिविधियाँ सफलतापूर्वक पूरी कर ली हैं। इसरो ने इसे मिशन की एक बड़ी उपलब्धि बताया है।

सीएम ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पृथ्वी पर सकुशल लौटे भारतीय वायुसेना के कैप्टन शुभांशु शुक्ला और सम्पूर्ण टीम को बधाई दी है। ग्रुप कैप्टन शुक्ला इंटरनेशनल स्पेस सेंटर में 18 दिन रहकर पृथ्वी पर मंगलवार को ही वापस आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुभांशु की यह अद्वितीय उपलब्धि भारत ही नहीं, विश्व के असंख्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में नया भारत तेजी से अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है। सीएम ने शुक्ला की सकुशल पृथ्वी पर वापसी पर प्रसन्नता व्यक्त की है। पहली बार भारतीय वायुसेना के किसी वरिष्ठ अधिकारी ने अंतर्राष्ट्रीय निजी अंतरिक्ष मिशन में सहभागिता की है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में भारत के पहले मानव मिशन गगनयान के लिए प्रशिक्षण ले चुके चार अंतरिक्ष यात्रियों में शामिल हैं।

मुख्यमंत्री आज से 19 जुलाई तक स्पेन प्रवास पर रहेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 16 से 19 जुलाई 2025 तक स्पेन के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में निवेश के माध्यम से औद्योगिक विकास और रोजगार सृजनकी दिशा में सतत् रूप से प्रयासरत् है। स्पेन प्रवास के दौरान वे मैड्रिड में आयोजित इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश बिजनेस फोरम को संबोधित करेंगे और उद्योग, पर्यटन, खेल, संस्कृति तथा फिल्म निर्माण से जुड़े विषयों पर उच्चस्तरीय बैठकों में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री दुबई से रवाना होकर देर रात स्पेन की राजधानी मैड्रिड पहुंचेंगे।

स्पेन प्रवास के प्रथम दिन 16 जुलाई की शुरूआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भारत के राजदूत दिनेश के. पटनायक शिष्टाचार भेंट करेंगे। इसके बाद वे इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश बिजनेस फोरम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस सेशन में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पर्यटन, औद्योगिक नीति एवं निवेश, आईटी और अधोसंरचना सेक्टर पर प्रेजेन्टेशन होगा। बिजनेस फोरम की शुरुआत मध्यप्रदेश शासन के सचिव एवं मुख्यमंत्री के सचिव इलैयाराजा टी. के स्वागत भाषण से होगी। स्पेन-इंडिया काउंसिल फाउंडेशन के अध्यक्ष जुआन इग्नासियो एंत्रेकानालेस भी फोरम को संबोधित करेंगे। नेचर बायोफूड्स के सीईओ रोहन ग्रोवर द्वारा अनुभव साझा किये जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव फोरम में उपस्थिति उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में विभिन्न सेक्टर्स में निवेश के अवसरों पर विस्तृत जानकारी देंगे। नेटवर्किंग लंच में मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्पेन के प्रमुख उद्योगपतियों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव खेल सेक्टर में विख्यात स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डिज़ाइन एवं कंसल्टिंग फर्म 'पॉपुलस' के प्रजेंटेशन में भाग लेंगे। यह प्रजेंटेशन श्री जोर्ज बेटनकौर द्वारा दिया जाएगा।

मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स और निर्यात का हब बनाने की दिशा में मजबूत कदम

सीएम ने 'भारत मार्ट' को बताया वैश्विक व्यापार का प्रवेशद्वार

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई यात्रा के तीसरे दिन डीपी वर्ल्ड और जेबेल अली फ्री ज़ोन के वरिष्ठ अधिकारियों से भेंट कर भारत मार्ट परियोजना और उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। यह बैठक भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाज़ार से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत मार्ट को वैश्विक व्यापार का प्रवेशद्वार बताते हुए कहा कि यह आधुनिक व्यापार केंद्र भारतीय उत्पादों, विशेष रूप से खाद्य प्रसंस्करण, कृषि और हस्तशिल्प जैसे उत्पादों की मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप जैसे बाजारों तक सीधी पहुँच उपलब्ध कराएगा। भारत मार्ट 2026 में परिचालन में आएगा और 'लोकल से ग्लोबल' की नीति को नई दिशा देगा।

बैठक में विशेष रूप से मध्यप्रदेश में डीपी वर्ल्ड द्वारा प्रस्तावित रेल टर्मिनल और उज्जैन-नागदा रूट को भारत मार्ट तक निर्बाध माल आपूर्ति का एक निर्णायक माध्यम बताया गया। यह लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी भारत से दुबई तक तेज़, किफायती और सुगम माल परिवहन सुनिश्चित करेगी, जिससे राज्य के निर्यातकों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, हमारी सरकार इस यात्रा को केवल व्यापार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के आर्थिक भविष्य की नींव मान रही है। भारत मार्ट के ज़रिये हमारा प्रदेश वैश्विक आपूर्ति शृंखला में एक मज़बूत कड़ी बनेगा। डीपी वर्ल्ड, दुबई स्थित एक अग्रणी वैश्विक लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला समाधान प्रदाता है, जो 78 से अधिक देशों में 100 से अधिक टर्मिनलों और पोर्ट्स का संचालन करता है। प्रति वर्ष 70 मिलियन ज्ञश्व कंटेनर हैंडल करने वाली यह कंपनी विश्व की सबसे बड़ी पोर्ट ऑपरेटरों में गिनी जाती है। डीपी वर्ल्ड भारत के मुंबई, मुंद्रा, कोचीन, चेन्नई और विशाखापत्तनम जैसे प्रमुख बंदरगाहों पर छह टर्मिनलों का संचालन करती है। साथ ही यह कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स, कंटेनर फ्रेट स्टेशन और एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट सेवाओं का भी प्रबंधन करती है।

भारतीय एमएसएमई उत्पादों को मिलेगा वैश्विक मंच

भारत मार्ट, जेबेल अली फ्री ज़ोन, दुबई में लगभग 2.7 मिलियन वर्ग फुट में विकसित किया जा रहा एक बहुआयामी अंतरराष्ट्रीय व्यापार केंद्र है। इसकी आधारशिला प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम द्वारा फरवरी 2024 में संयुक्त रूप से रखी गई थी। यह केंद्र डीपी वर्ल्ड द्वारा संचालित किया जा रहा है और इसमें 1500 से अधिक शोरूम, अत्याधुनिक गोदाम और कार्यालय सुविधाएं शामिल होंगी। यह परियोजना भारतीय एमएसएमई को वैश्विक मंच प्रदान करने के लिए तैयार की जा रही है, जिससे वे अपनी गुणवत्ता युक्त वस्तुओं का निर्यात आसानी से कर सकें। भारत मार्ट, वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी को बढ़ाने वाला एक मजबूत स्तंभ बनेगा।

निवेश, व्यापार और तकनीक सहयोग के नए द्वार खोलने को तैयार

संयुक्त अरब अमीरात और मप्र सरकार के बीच जल्द ही भारत-यूएई समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते के तहत औद्योगिक और आर्थिक व्यापार की शुरुआत हो सकती है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को दुबई में यूएई के विदेश व्यापार राज्य मंत्री डॉ. थानी बिन अहमद अल जेयूदी के साथ सीईपीए के तहत आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। सीएम ने उन्हें सोयाबीन, दाल और जैविक खाद्य उत्पादों के प्रसंस्करण में यूएई के साथ मिलकर खाड़ी देशों में फूड चेन सप्लाई चेन स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। सौर ऊर्जा, स्मार्ट ऑटोमेशन, एम्बेडेड इलेक्ट्रॉनिक्स और इंडस्ट्री 4.0 जैसे क्षेत्रों में यूएई को मप्र में निवेश का न्यौता भी दिया। सीएम ने जेयूदी से कहा कि सीईपीए साझेदारी के जरिए यूएई के लिए निवेश, व्यापार और तकनीकी सहयोग के नए द्वार खोलने के लिए तैयार है।

प्रदेश अब लोकल से ग्लोबल की ओर

'एक जिला-एक उत्पाद' मप्र को मिला रजत पदक

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत प्रदेश के उत्पादों की वैश्विक बाजारों में उपस्थिति दर्ज हो रही है।

मध्यप्रदेश ने अपनी विशिष्टता और योजनाओं के उत्कृष्ट क्रियान्वयन का प्रमाण प्रस्तुत करते हुए एक जिला एक उत्पाद पुरस्कार 2024 में राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश श्रेणी में रजत पुरस्कार प्राप्त किया। नई दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित भारत मंडपम में एक भव्य समारोह में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार राज्य में एक जिला एक उत्पाद योजना के प्रभावशाली क्रियान्वयन, स्थानीय उत्पादों के ब्रांड निर्माण, रोजगार सृजन, और ग्रामीण व शहरी उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयासों को मान्यता देने के लिए प्रदान किया गया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता और भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों एवं विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मध्यप्रदेश की ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उद्योग विभाग, वाणिज्य एवं निवेश प्रोत्साहन नीति विभाग की उप सचिव, श्रीमती रूही खान ने प्राप्त किया।

अंतर्मना उवाच

कुछ ना था तो खुदा था, कुछ ना होता तो खुदा होता.. हमको डुबोया अपनों ने, कोई ना होता तो मैं खुदा होता..!

हम बाहर के कुछ को ना देखकर, यदि भीतर के कुछ पाने में दिमाग लगायें तो हम सब कुछ पा जायेंगे। ***जो शरीर के पीछे भाग रहा है, वह सब कुछ खो रहा है। जो आत्मा को जानने के लिए भीतर झांक रहा है, वह सब कुछ पाने के या खुदा बनने के लिए परिश्रम कर रहा है।*** *खुदा को पाने के लिए खुद के भीतर खोदो। भीतर जितना जानने के जूनून से खोदोगे, खुदा उतने करीब आता जायेगा। यह तुम अच्छे से जानते हो कि देह सब कुछ नहीं है, यह तो मरण धर्मा है। जो कहता है कि मैं आत्मा हूं – और मेरी देह के भीतर देवाधिदेव विराजमान है। देह के भीतर का जो आयाम है, उसका नाम ही आत्मा है।*

मैं तुमसे कहता हूं – कि सुख पाने के लिये बाहर मत भटको, और कहीं जाने की आवश्यकता भी नहीं है। तुम जहां हो, बस वहीं थोडा होश आ जाये। *होश में एक बार भीतर का दीया जल जाये, उस दीये के प्रकाश में भीतर की चीजें जैसी है वैसी दिखाई पड़ने लग जाये,* ***(भीतर की चीज से मतलब है खुद की बुरी आदतों को खुद की आंख से देखना)*** *ना बेहोशी की आंख से, ना नशे की आंख से,, होश की आंख और खुली आंख से।*

इसलिए कबीर ने कहा –

हम तो कबहू निज घर आये...!!!

■अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

'नशे से दूरी- है जरूरी' 30 जुलाई तक चलेगा अभियान

नशा केवल स्वास्थ्य नहीं सामाजिक ताने-बाने को भी करता है छिन्न-भिन्न : सीएम

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नशा एक सामाजिक बुराई है। जो युवाओं, परिवार और समाज की जड़ों को खोखला बना रही है। नशे की जद में आकर कई परिवार उजड़ जाते हैं। नशा नाश की जड़ है, जो न केवल स्वास्थ्य को खत्म करता है बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न करता है। सीएम ने प्रदेश में मंगलवार से 30 जुलाई तक प्रारंभ हुए नशामुक्ति अभियान – नशे से दूरी है जरूरी के शुभारंभ अवसर पर वीडियो संदेश के माध्यम से यह विचार व्यक्त किए।

सीएम ने कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि युवाओं के बीच नशे का चलन तेजी से बढ़ रहा है। युवा देश का भविष्य हैं, उन्हें इस दलदल से बचाने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह संकल्पित है। नशे से दूरी है जरूरी अभियान चलाने का उद्देश्य न केवल नशे को रोकना है बल्कि समाज में नई चेतना जागृत करना भी है। सीएम ने प्रदेशवासियों से म.प्र. पुलिस द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने का आहवान किया है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने पीएचक्यू में मंगलवार को वृहद नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान '' नशे से दूरी-है जरूरी'' का शुभारंभ किया।

डीजीपी श्री मकवाना ने मुख्यमंत्री के संदेश एवं अभियान के पोस्टर का किया विमोचन।

आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाना होगा : जयशंकर

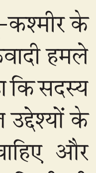

बीजिंग। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को चीन के तिआनजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का मुद्दा उठाया और कहा कि सदस्य देशों को संगठन के मूल उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए और आतंकवाद के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी नहीं बरतनी चाहिए। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा है।

उत्तराखंड में बड़ा हादसा

पिथौरागढ़ में मुवानी से बोकटा जा रही जीप नदी में गिरी, 8 लोगों की मौत, 6 घायल

पिथौरागढ़ ■ एजेंसी

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में मंगलवार शाम दर्दनाक हादसा हो गया। मुवानी कस्बे से बोकटा जा रही जीप सुनी पुल के पास नदी में गिर गई। बताया जा रहा है कि हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो स्कूली बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, 6 लोग घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार, शाम करीब 5 बजे जिला मुख्यालय से लगभग 52 किलोमीटर दूर यह हादसा हुआ है। वाहन में करीब 14 लोग थे। जीप के नदी में गिरते ही चीख पुकार मच गई। आठ लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, तीन यात्री गंभीर रूप से घायल हैं। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से राहत-बचाव कार्य चलाया जा रहा है।

सभी मृतक बोकटा के बताए जा रहे है। हादसे के बाद बोकटा गांव में कोहराम मचा हुआ है। हादसे पर सीएम धामी ने भी दुख जताया। उन्होंने कहा ईश्वर से प्रार्थना है कि दुर्घटना में दिवंगत हुए लोगों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह असीम कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

वर्ष 2025 मिजोरम के इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर दर्ज हुआ है

बइरबी-सायरंग रेल लाइन से मिजोरम में बहेगी विकास की बयार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वर्ष 2025 मिजोरम के इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर दर्ज हुआ है। पहली बार इस पर्वतीय राज्य की राजधानी आइजोल को देश के ब्रॉड गेज रेलवे नेटवर्क से जोड़ा गया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि बइरबी-सायरंग ब्रॉड गेज रेल परियोजना के पूरा होने से संभव हो सकी है। यह न केवल मिजोरम, बल्कि समग्र पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी, आर्थिक विकास और सामाजिक समरसता के लिए भी एक क्रांतिकारी कदम है।

मिजोरम भारत का एक दूरस्थ, पहाड़ी और सीमावर्ती राज्य है, जिसकी सीमाएं उत्तर में असम और मणिपुर, पश्चिम में त्रिपुरा और बांग्लादेश तथा पूर्व व दक्षिण में म्यांमार से मिलती हैं। समुद्र से कटा होने और ऊबड़-खाबड़ भौगोलिक संरचना के कारण यह राज्य अब तक सड़क मार्ग पर ही निर्भर था। सीमित सड़क कनेक्टिविटी और अविकसित बुनियादी ढांचे के कारण यह क्षेत्र देश की मुख्यधारा से कटा-कटा महसूस करता था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 नवंबर 2014 को बइरबी-सायरंग रेल परियोजना की आधारशिला रखी थी। इसके बाद भूमि अधिग्रहण कार्य 2014-15 में पूर्ण किया गया और 2015-16 से निर्माण कार्य आरंभ हुआ। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए यह परियोजना 2025 में पूरी हुई और जून 2025 में रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने इसके संचालन की अनुमति प्रदान की। परियोजना के अंतर्गत 51.38 किमी लंबी ब्रॉड गेज रेलवे लाइन का निर्माण किया गया है, जिस पर 100 किमी प्रति घंटे की गति से ट्रेनों का परिचालन संभव है। इस रेल खंड पर बइरबी से सायरंग के बीच हॉर्तोकी, कवनपुई और मुआलखांग स्टेशन स्थित हैं।

परियोजना की लागत 7,714 करोड़ आंकी गई

इस परियोजना की कुल लागत 7,714 करोड़ आंकी गई है और इसके निर्माण की जिम्मेदारी उत्तर-पूर्व सीमांत रेलवे को दी गई थी। यह परियोजना मिजोरम के आम नागरिकों, विशेषकर ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सड़क मार्ग की सीमाओं से जूझते इन लोगों को अब तेज, सुरक्षित और सस्ता परिवहन विकल्प मिलेगा।

चार राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष भस्म आरती में हुए शामिल

उज्जैन। श्रावण माह में भगवान महाकाल के दर्शन के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंच रहे हैं। मंगलवार को सिक्किम, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के विधानसभा अध्यक्ष श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। सिक्किम के मिंगम नोरबू, ओडिशा की सुरमा पध्ये, हिमाचल प्रदेश के कुलदीप सिंह पठानिया और राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी अपने प्रतिनिधि मंडल के साथ सुबह 3 बजे मंदिर पहुंचे। सभी ने नंदी हॉल में बैठकर करीब दो घंटे तक भस्म आरती में भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

लायंस क्लब का हुआ संस्थापन कार्यक्रम सम्पन्न

राजपूत अध्यक्ष, मीणा उपाध्यक्ष, चौहान सचिव व राठौड़ कोषाध्यक्ष बने

माखननगर। इंटरनेशनल लायंस क्लब माखन नगर का संस्थापन कार्यक्रम इटारसी के एक निजी रिसोर्ट मैं सम्पन्न हुआ जिसमें ला राजेंद्र सिंह राजपुत अध्यक्ष, ला राजेश मीणा को उपाध्यक्ष ,ला मोहित चौहान को सचिव व ला आनंद राठौड़ को कोषाध्यक्ष बनाया गया ।नवनियुक्त पदाधिकारियों का संस्थापन कार्यक्रम विशेष अतिथि ला अनिल कुमार झा एमजेएफ , ला आकाश बरेले एमएफएफ जॉन चेयर मेन व ला आकाश तिवारी सांसद प्रतिनिधि द्वारा कराया गया ।इस अवसर पर माखननगर लायंस क्लब के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे सभी अतिथियों का तिलक लगा ,पुष्प से स्वागत किया ।कार्यक्रम का संचालन ला सुरेश अग्रवाल ने किया।कार्यक्रम मैं ध्वज वंदना ला सतीश साहू ने की ।अतिथियों का जीवन परिचय ला अजीत सेठी ने कराया ।आभार लायंस इंदर सिंह राजपूत द्वारा व्यक्त किया गया ।मौजूद सभी लायन बादियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाऐं दी ।

सरस्वती शिशु मंदिर समिति के अध्यक्ष बने कृष्ण कुमार पालीवाल

सोहागपुर। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा मार्गदर्शित एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस शिक्षा समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर में प्रबंध समिति का निर्वाचन शनिवार को संपन्न हुआ जिसमें सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें विगत दो बार के कार्यकाल के व्यवस्थापक के रूप में सेवा दे रहे कृष्ण कुमार पालीवाल को समिति का अध्यक्ष एवं पूर्व में समिति के कोषाध्यक्ष रहे संजीव दुबे को व्यवस्थापक का दायित्व सौंपा गया ।विगत 10 वर्षों तक समिति के अध्यक्ष रहे वरिष्ठ समाजसेवी कन्नूलाल अग्रवाल को समिति का संरक्षक बनाया गया।विद्यालय के पूर्व छात्र देवराज पटेल को समिति में सचिव बनाया गया।पूर्व में समिति के व्यवस्थापक एवं सचिव का दायित्व सवाल रहे राजा भैया पटेल को उपाध्यक्ष बनाया गया है ।पूर्व उपाध्यक्ष रहे अभिषेक जैन को इस बार समिति का कोषाध्यक्ष बनाया गया है कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर सरस्वती शिशु मंदिर के पूर्व छात्र सौरभ सोनी को शामिल किया गया। वहीं उनके साथ सदस्यों के रूप में पहले से जो सदस्य चली आ रही है लज्जा सिंगांरे एवं मनोरम प्रजापति सहित एक संरक्षक पांच पदाधिकारी तीन कार्यकारिणी सदस्यों के साथ पदेन सदस्य के रूप में प्राचार्य अशोक कुमार दुबे एवं प्रतिष्ठान प्रतिनिधि के रूप में विभाग समन्वयक सौरभ उपाध्याय को शामिल किया गया।

एक बगिया मां के नाम अभियान के हितग्राहियों से रूबरू हुए सीईओ जिला पंचायत

हितग्राहियों को बताया गया फलउद्यान के लाभ व योजनाओं से मिलने वाले फायदे

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सोजान सिंह रावत द्वारा आज 15 जुलाई को जनपद पंचायत माखननगर एवं जनपद पंचायत सोहागपुर की ग्राम पंचायतों का जमीन स्तर से भ्रमण कर एक बगिया मां के नाम अभियान की प्रगति की समीक्षा की गयी।सीईओ जिला पंचायत रावत द्वारा ग्राम पंचायत महेन्द्रवाड़ी, नया संकई, पढ़ाई आदि में उपस्थित होकर ग्रामीण आजीविका मिशन की स्वसहायता समूह की महिलाओं के साथ बैठक कर चर्चा की गयी।रावत द्वारा महिलाओं को एक बगिया मां के नाम अभियान की अवधारणा, उसके लाभ एवं किये जाने वाले कार्य से अवगत कराया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा बताया गया कि इस अभियान के तहत ग्रामीण आजीविका मिशन के समूह की महिला जो 0.5 एवं 1 एकड भूमि में फलोद्यान विकसित करने हेतु इच्छु.क है, उन्हें मनरेगा योजना से फलोद्यान का लाभ दिया जायेगा। मनरेगा योजना के द्वारा पौधों की सुरक्षा हेतु फलोद्यान वाले क्षेत्र में कटीले तारों से फैंसिंग करायी जायेगी। पौधों की सिंचाई हेतु पानी का कुण्ड बनाया जायेगा एवं क्लस्टर के रूप में फलोद्यान विकसित किया जायेगा। उन्होने यह भी बताया कि इस अभियान में पौधों एवं सामग्री की राशि का भुगतान हितग्राही को स्वयं ही किया जायेगा। कलस्टर के रूप में फलोद्यान विकसित होने पर पौधों की देखरेख हेतु प्रशिक्षित कृषि सखी द्वारा लगातार भ्रमण किया जायेगा। फलों के आने पर उनका उचित दर पर विक्रय सुनिश्चित किया जायेगा। यह भी बताया गया कि हितग्राही चाहे तो उक्त भूमि पर इन्टर क्रापिंग के तहत सब्जी अथवा अन्य किसी फसल की पैदावार भी कर सकते हैं। सीईओ रावत द्वारा हितग्राहियो को ड्रिप सिंचाई व सोलर पेनल से विधुत सप्लाई की योजना से भी अवगत करवाया गया।

सीईओ जिला पंचायत द्वारा जिले की केसला ब्लाकक में क्ल स्ट र के रूप में मनरेगा योजना के तहत आम के फलोद्यान की जानकारी भी समूह की महिलाओं को दी गयी एवं बतलाया गया कि किस तरह केसला में आम का क्लनस्टभर विकसित किया गया है।बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं सहायक यंत्री को निर्देश दिये गये कि हितग्राही चयन में पारदर्शिता रखी जावे। शीघ्र हितग्राहियों का चयन सुनिश्चित किया जाये एवं हितग्राही चयन होने के उपरांत सिपरी ऐप से तत्का्ल यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि किस क्षेत्र में किस फलोद्यान का क्लस्टर विकसित किया जायेगा। साथ ही कृषि सखी एवं चयनित महिलाओं के प्रशिक्षण के निर्देश दिये गये। इस दौरान जनपद पंचायत माखननगर व सोहागपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं ग्रामीण आजीविका मिशन के ब्लामक समन्वतयक उपस्थित रहे।

ऑटो चालकों की लापरवाही, मासूम बच्चों की जान से खिलवाड़

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर में स्कूली बच्चों को ले जाने वाले ऑटो चालकों की लापरवाही ने चिंता बढ़ा दी है। ऑटो चालक नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुए क्षमता से दोगुने-तिगुने बच्चों को भरकर स्कूल ले जा रहे हैं। चार लोगों की जगह 8 से 10 बच्चों को ठूंसकर बैठाया जा रहा है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अभिभावक भी इस खतरे को नजरअंदाज कर रहे हैं। बच्चों की सुरक्षा को ताक पर रखकर वे बिना सोचे-समझे उन्हें इन ऑटो में भेज रहे हैं।

इस लापरवाही के गंभीर परिणाम हो सकते हैं-

बच्चों की जान खतरे में - अधिक बच्चों को बैठाने से संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है।

अभिभावकों की अनदेखी - सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल ड्राइवर की नहीं, बल्कि माता-पिता की भी है।

मनमानी ऑटो चालक - नियमों की धज्जियां उड़ाकर चालक अपनी मर्जी से वाहन चला रहे हैं।

समाधान की दिशा में उठाए जाने चाहिए ये कदम-

प्रशासन को सख्ती दिखानी होगी - ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग को ऐसे ऑटो चालकों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए।

अभिभावकों को जागरूक किया जाए - बच्चों को भेजने से पहले वाहन की स्थिति और क्षमता की जांच करें।

स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी - स्कूलों को चाहिए कि वे ऐसे ऑटो की नियमित जांच करें और नियमों का पालन सुनिश्चित कराएं।

यह केवल एक ट्रैफिक मुद्दा नहीं है, यह हमारे बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा मामला है। अब समय आ गया है कि प्रशासन, स्कूल और अभिभावक सभी मिलकर जिम्मेदारी निभाएं और किसी बड़ी अनहोनी से पहले चेत जाएं।

पुलिस के नशामुक्ति जागरूकता अभियान में कलेक्टर गुप्ता ने विद्यार्थियों से की अपील

तन, मन व धन तीनों के लिए हानिकारक है नशा, इससे दूर रहें

खंडवा ■ निसं

कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने मंगलवार को स्थानीय होली स्पिरिट स्कूल में मध्य प्रदेश पुलिस के नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनसे अपील की कि नशा तन मन और धन तीनों के लिए हानिकारक है, अतः इसे दूर रहें। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि नशीले पदार्थों के साथ-साथ सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग से भी विद्यार्थी दूरी बनाएं, और अपना पूरा ध्यान केवल पढ़ाई पर ही लगाएं। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र तारणेकर एवं राजेश रघुवंशी तथा संयुक्त कलेक्टर मती निकिता मंडलोई सहित अन्य अधिकारी व विद्यार्थीगण मौजूद थे। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर अतिथियों ने किया।

कलेक्टर गुप्ता ने अवसर पर कहा कि जो व्यक्ति एक बार ड्रग्स या नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करता है, वह उसके जाल में लगातार फसता जाता है। उन्होंने स्कूल के शिक्षकों और विद्यार्थियों के परिवारजनों से कहा कि बच्चों के व्यवहार में अगर कोई परिवर्तन दिखे तो तुरंत अलर्ट हो जाएं। बच्चों से बात करें, और उनकी परेशानी को समझकर उसके निराकरण का प्रयास करें। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अपने परिजनों और शिक्षकों की बात मानें और उनके अनुभव का लाभ लें।

पुलिस अधीक्षक राय ने इस अवसर पर कहा कि नशे के जाल में जो व्यक्ति एक बार फस जाता है, उसका इस दुष्चक्र से निकालना बहुत कठिन होता है, इसलिए नशे के इस दलदल से बचें। उन्होंने कहा कि बहुत से युवा और उनके परिवार इस नशे के कारण बर्बाद हो चुके हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि यदि किसी को ड्रग्स बेचने की कोई सूचना या जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें ताकि संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जा सके।

निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन संपन्न

सोहागपुर। सोहागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को जिला अंधत्व निवारण समिति नर्मदापुरम व चिरायु मेडिकल हॉस्पिटल भोपाल द्वारा निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आए 53 मरीजों की जांच डॉ. भावना यादव के नेतृत्व में भोपाल से आए विशेषज्ञों ने की। जांच के बाद 30 मरीजों को ऑपरेशन के लिये चयनित किया गया। जिन्हें बस से भोपाल ले जाया गया है। मरीजों के ऑपरेशन के बाद उन्हें वापस सोहागपुर भेजा जाएगा। मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन पूर्णतः निशुल्क किए जाएंगे। शिविर सोहागपुर सीबीएमओ डॉ. रेखा सिंह गौर के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर संचालन में नेत्र चिकित्सा सहायक सोहागपुर अशोक कुमार शाक्य की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

श्रेष्ठ मॉडल बनाने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें संस्था के प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा मॉडल बनाए गए । उक्त जाकारी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्रचार आर के राठौर ने बताया कि संस्था के प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा मॉडल बनाए गए जिसमें प्रशिक्षणार्थियों के प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि के रूप में शासकीय कुसुम महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉक्टर अतुल गौर एवं केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य महोदय मोहन राठौर उपस्थित हुए इनके द्वारा विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रमाण पत्र प्रदान किये । इनके द्वारा कौशल विकास के महत्व पर उद्बोधन दिया गया एवं इनोवेशन को पेटेंट करने हेतु भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया । संस्था के प्राचार्य द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये ।

नर्मदापुरम में श्रद्धालुओं की भव्य कावड़ यात्रा को लेकर बैठक संपन्न

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

श्री महाकाल मित्र मंडल नर्मदापुरम के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष अनुसार इस वर्ष भी 28/07/2025 को विशाल एवं भव्य श्रद्धालुओं की कावड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जिसके निमित आज स्थानीय सर्किट हाउस में सभी मित्रगणों एवं वरिष्ठों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में वरिष्ठ अजय कुमार वर्मा, नीरज कैथवास, शेखर पाल, राजेंद्र धाकड़, अनीश राजपूत, शिवा मेषकर, कृतिक शिवहरे, ओम वर्मा, भरत मांझी, शुभम शर्मा, यात्रा सयोजक सागर संतोर दिलीप मांझी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सरपंचों ने 12 सूत्रीय मांगो को लेकर एसडीएम के नाम ज्ञापन तहसीलदार एस एस रघुवंशी को सौंपा

सिवनी मालवा ■ निसं

ब्लाक की ग्रग्राम पंचायतों के सरपंचों के द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम के नाम ज्ञापन तहसीलदार एसएस रघुवंशी को सौंपा। सोमवार दोपहर अखिल भारतीय पंचायत परिषद के नेतृत्व में 12 सूत्रीय मांगें बताई गईं। पंचायत कार्यों से जुड़ी समस्याओं और अव्यवस्थाओं का त्वरित समाधान की मांग की गई। सरपंच संघ के ब्लॉक अध्यक्ष उमेश अंकिले ने बताया कि हम सरपंच रोजमर्रा के कार्यों में लगातार समस्याओं से जूझते हैं।पंचायतों में वर्षों से पदस्थ रोजगार सहायकों का ट्रांसफर नहीं किया गया है, जिससे वे अपनी मनमर्जी से कार्य करते हैं और सरपंचों की भूमिका को नजरअंदाज करते हैं। इससे ग्रामीण जनता हमसे जवाब मांगती है, पर हमारे पास अधिकार सीमित हैं। हमारी मांग है की जल्द से जल्द हमारी मांगों को पूर्ण किया जाए।जिससे की हम जनहित से जुड़े मुद्दों पर काम कर सकें।

प्रमुख मांगें जो ज्ञापन में रखी गई

- रोजगार सहायकों का ट्रांसफर किया जाए ताकि निष्पक्ष और जवाबदेह कार्य प्रणाली स्थापित हो सके।
- सरपंच के हस्ताक्षर के बिना कोई मस्टररोल (कार्य उपस्थिति पंजी) स्वीकार न किया जाए।
- निर्माण कार्यों के लिए रेत और बजरी की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।
- आवास योजना की राशि लाभार्थियों को समय पर प्रदान की जाए।
- निर्माण कार्यों का मूल्यांकन निर्धारित समय में किया जाए।
- खेत सड़क योजना के अंतर्गत किसानों को लाभान्वित किया जाए।
- मूल्यांकन राशि में बढ़ोतरी पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा के अनुसार की जाए।
- गरीबी रेखा के राशन कार्ड बनाने के अधिकार सरपंचों को दिए जाएं।
- पीएम आवास योजना की बची हुई प्रतीक्षा सूची जल्द जारी की जाए।
- नल जल योजना के अधूरे कार्यों को जल्द पूरा किया जाए।
- पीएम आवास की राशि शहर और गांव दोनों में समान की जाए।
- पुलिस प्रशासन गांव की समस्याओं के समाधान में सरपंचों को सहयोग करे।

नवागत थाना प्रभारी ने स्टाफ के साथ निकाला मार्च

माखननगर। नवागत थाना प्रभारी मदनलाल पवार अपने पुलिस स्टाफ के साथ मंगलवार की शाम मार्च करते नगर भ्रमण पर निकले ।इस तरह एक तरफ जहाँ उन्होंने नगर के आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को पुलिस की मौजूदगी का एहसास कराया वहीं दूसरी तरफ उन्होंने नगर वासियों को अपनी उपस्थिति का संदेश दिया साथ ही नागरिकों की सुरक्षा का भरोसा दिलाने का संकेत दिया ।

पत्नी की बेवफाई से दुखी युवक ने किया सुसाइड

मरने से पहले बनाया वीडियो, कहा-मेरी मौत के लिए पत्नी, उसका बॉयफ्रेंड और सास जिम्मेदार

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन में पत्नी की बेवफाई से दुखी 38 वर्षीय ट्रक ड्राइवर तनवीर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फंदे पर झूलने से पहले तनवीर ने दो वीडियो बनाए और अहमदाबाद (गुजरात) में रहने वाली अपनी बहन रिजवाना कुरैशी को भेजा। जिसमें उसने पत्नी तंजिला, सास शकीला और पत्नी के दोस्त सोनू को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। उसने कहा कि इन तीनों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

रिजवाना अपने भाई की मदद कर पाती, उससे पहले उसकी मौत हो गई।वीडियो देखने के बाद रिजवाना ने अपने दूसरे भाई कादिर को फोन लगाया और पूरा वाक्या बताया। कादिर इंदौर में ही रहता है।उसने भाई तनवीर को कई फोन लगाए, पर उसने नहीं उठाए। शाम को जब वह घर पहुंचा, तो तनवीर फंदे पर झूल रहा था।तनवीर और तंजिला की 14 साल पहले शादी हुई थी।उनके तीन लड़की और एक लड़का है। करीब सात वर्ष पहले पत्नी के अफेयर की बात सामने आने के बाद दोनों में विवाद शुरू हो गया।चिमनगंज मंडी के थाना प्रभारी गजेंद्र पचौरिया ने बताया कि मृतक का वीडियो बनाने की बात सामने आई है, जांच की जा रही है।वीडियो के आधार पर आगे कार्यवाही की जाएगी।

मुझे बच्चों से दूर कर दिया, उनके दिलों में नफरत डाल दी

वीडियो में तनवीर ने कहा कि मैं आत्महत्या कर रहा हूं। इसके लिए मेरी पत्नी, सास और पत्नी का बॉय फ्रेंड सोनू शफीक कुरैशी जिम्मेदार हैं।वे मुझे मारने की धमकी देते हैं। मेरी रिपोर्ट करा रखी है। मैं बहुत परेशान हूं।आत्म हत्या करना चाहता हूं।इन तीनों को कड़ी से कड़ी सजा मिले।मेरे बच्चे बहुत प्यार करते थे, उन्हें भी दूर कर दिया।उनके दिलों में नफरत डाल दी। मेरे पास मरने के अलावा कुछ नहीं है। मेरी जिंदगी उथल-पुथल कर दी। सब दूर हो गए, मेरी जिंदगी कठिनाई से गुजर रही है।

मस्जिद को लेकर जबलपुर कलेक्टर की पोस्ट से बढ़ा विवाद

जबलपुर। जबलपुर के रांझी स्थित जिस जमीन को लेकर मंदिर-मस्जिद का विवाद हो रहा है, वहां कभी मंदिर बना ही नहीं। यह खुलासा प्रशासन की एक जांच रिपोर्ट में हुआ है। यह रिपोर्ट प्रशासन के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट होने के बाद हिंदूवादी संगठन भड़क गए और सड़क पर उतर गए। विवाद बढ़ने के बाद प्रशासन ने इस पोस्ट को सोशल मीडिया से डिलीट कर दिया है। रिपोर्ट तैयार करने वाले एसडीएम को हटा दिया है। इस बीच विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने मंगलवार को घोषित प्रदर्शन स्थगित कर दिया। वीएचपी के एक पदाधिकारी ने दावा किया है कि संगठन के पदाधिकारियों की भोपाल में वरिष्ठ अधिकारियों से बात हुई है। जांच कमेटी गठित करने और दोषी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बुधनी पुलिस ने सांदीपनी स्कूल के छात्रों के साथ निकाली नशा मुक्त रैली

बुदनी ■ निसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस ने एक वृहद जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी की शुरुआत की है। यह अभियान 15 से 30 जुलाई 2025 तक पूरे राज्य में संचालित किया जाएगा।पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में यह अभियान पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर मध्यप्रदेश के सभी थानों में मंगलवार 15 जुलाई से प्रारम्भ किया गया है।

इसी तारतम्य बुधनी पुलिस ने सांदीपनी स्कूल के छात्रों एवं एनसीसी विंग के सदस्यों के साथ जन जागरुकता रैली निकाली जो थाना परिसर से शुरू होकर नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए सांदीपनी स्कूल तक पहुंची। रैली के समापन पर पुलिस थाना बुधनी के उपनिरीक्षक संदीप जाट एवं राजेश मालवीय एवं अन्य अधिकारियों सहित स्कूल की प्राचार्या सुधा सालोमन की उपस्थिति में उपस्थित लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई।

इस अभियान का उद्देश्य किशोरों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, उन्हें इस लत से दूर रखना और जो लोग पहले से नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें उचित परामर्श और सहयोग प्रदान कर पुनर्वास की दिशा में मार्गदर्शन देना है।

भोपाल स्टेशन को मेट्रो स्टेशन से जोड़ने का प्लान

सब-वे या फुटओवर ब्रिज बनेगा, सीधे एक दूसरे से कनेक्ट हो सकेंगे

भोपाल ■ निसं

भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बाद भोपाल स्टेशन को भी मेट्रो स्टेशन से जोड़ने का प्लान है। यहां सब-वे या फुटओवर ब्रिज बनेगा। ताकि, मेट्रो और रेलवे स्टेशन एक-दूसरे से कनेक्ट हो सके। मेट्रो अफसरों के मुताबिक, भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-6 के पास मेट्रो का अंडरग्राउंड स्टेशन बनेगा। इसकी तैयारियां भी चल रही हैं। जब यात्री मेट्रो से रेलवे स्टेशन आएंगे-जाएंगे तो उन्हें फुटओवर ब्रिज या सब-वे की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में उन्हें काफी लंबा चलना नहीं पड़ेगा।

रेलवे और मेट्रो स्टेशन को एक-दूसरे से कनेक्ट करने के लिए मेट्रो कॉरपोरेशन दो प्लान पर काम कर रहा है। यदि सिर्फ 6 नंबर प्लेटफार्म से मेट्रो स्टेशन को जोड़ना

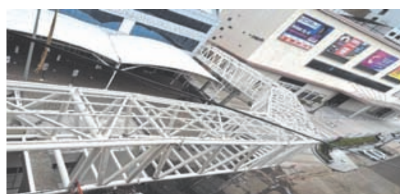

पड़ा तो यहां फुटओवर ब्रिज ही बनाया जाएगा। यात्री ट्रैक के ऊपर से गुजरते हुए मेट्रो स्टेशन तक पहुंच सकेंगे, लेकिन यदि प्लेटफार्म नंबर-6 के साथ 1 को भी मेट्रो स्टेशन से जोड़ने की प्लानिंग बनी तो फिर सब-वे बनाया जाएगा, जो अंडरग्राउंड रहेगा। फुटओवर ब्रिज या सब-वे बनने के बाद यात्रियों को पैदल घूमकर नहीं आना पड़ेगा। साथ ही उन्हें जाम से भी राहत मिलेगी।

परिवर्तन यात्रा के समापन पर महिला किसानों की भागीदारी को सराहा

नई तकनीक से कृषि में आएगा क्रांतिकारी परिवर्तनः राज्यमंत्री कृष्णा गौर

भोपाल ■ निसं

नई तकनीकें न केवल समय की बचत करती हैं, बल्कि जीवन को सरल और समृद्ध भी बनाती हैं। मंगलवार को पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर एक निजी उपकरण कंपनी द्वारा संचालित %परिवर्तन यात्रा% के समापन अवसर पर निवास कार्यालय, भोपाल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि मशीनीकरण अब कृषि का अभिन्न अंग बन चुका है, जो किसानों की उत्पादकता बढ़ाने और उनकी जीवनशैली को बेहतर बनाने में सहायक है। उन्होंने विशेष रूप से महिला किसानों की सराहना करते हुए कहा कि आज

वे भी आधुनिक मशीनों को अपनाकर खेती को आसान और सशक्त बना रही हैं। पावर टूल्स और कृषि उपकरणों की निर्माता कंपनी ने परिवर्तन यात्रा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी जागरूकता फैलाने और कृषि के आधुनिकीकरण में अहम योगदान दिया है।

परिवर्तन यात्रा के तहत 5100 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करते हुए 35 जिलों में 1500 से अधिक किसानों से सीधा संवाद किया गया। इस पहल ने किसानों में नई तकनीकों को लेकर विश्वास और उत्साह उत्पन्न किया है। कार्यक्रम में भोपाल के पूर्व सांसद श्री आलोक संजर, उपकरण निर्माता कंपनी के एमपी एएसएम श्री अनीमेश वाघेला, एवं भोपाल के अधिकृत डीलर भी उपस्थित रहे। राज्यमंत्री ने कंपनी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि ऐसे प्रयास किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएंगे और प्रदेश को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

डंपर ने स्कॉर्पियो को टक्कर मारी, विरोध करने पर गाली-गलौच कर दी मारने की धमकी

भोपाल। चूनाभट्टी थाना इलाके में बीती दोपहर रिवर्स हो रहे एक डंपर ने स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। स्कार्पियो चालक ने जब डंपर चालक को वाहन ठीक से चलाने की समझाइश दी तब डंपर चालक और क्लीनर उसी पर भड़क गये और गाली-गलौज करते हुए उसे मारने की धमकी दे डाली। जानकारी के अनुसार वीरेंद्र द्विवेदी (51) ने अपनी शिकायत में बताया की वह मूल रुप से सतना के रहने वाले हैं। फिलहाल वह 74 बंगला में रहते हैं। बीती दोपहर करीब दो बजे वह अपनी कार से संस्कार वैली स्कूल से बच्चों को लेकर वापस लौट रहे थे। चूनाभट्टी रोड स्थित एक्सीलेंस कालेज के पास हनुमान मंदिर के सामने पहुंचने पर एक लोडेड डंपर कलियासोत तिराहे की तरफ जा रहा था। वह अपनी स्कार्पियो लेकर डंपर के नजदीक पहुंचे तब चालक ने डंपर को अचानक रिवर्स करते हुए उनकी स्कार्पियो में टक्कर मार दी। इससे उनकी कार में काफी नुकसान हो गया। वीरेंद्र ने जब डंपर चालक से वाहन को ठीक से चलाने की समझाईश दी। तब वह और उसका साथी ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए दुर्व्यवहार कर जान से मारने की धमकी देने लगा। शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

केयर टेकर के साथ रहने वाले 84 साल के वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल। चूनाभट्टी थाना इलाके में स्थित गोविंदनारायण टाउन में रहने वाले 84 साल के वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वृद्ध का परिवार विदेश में है, और वह यहां केयर टेकर के साथ रहते थे। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गोविंद नारायण टाउन चूनाभट्टी में रहने वाले खुसरो कमाल (84) का परिवार विदेश में रहता है। परिवार में दो बेटियां और बेटा है। वृद्ध यहां बंगले पर केयर टेकर राजेश के साथ रहते थे। राजेश ने पुलिस को बताया कि बीती सुबह वह मालिक खुसरो कमाल के कमरे में उन्हें जगाने के लिए पहुंचा तो वह बिस्तर पर बेसुध हालत में मिले। हिलाने डुलाने पर भी जब उनके शरीर में कोई हलचल नहीं हुई तब उसने पुलिस को सूचना दी। बाद में पुलिस ने उनके परिवार वालो से संपर्क किया इसके बाद शव को पीएम के लिये मर्चुरी भेज दिया। पुलिस ने बताया की वृद्ध के राजधानी में रहने वाले अन्य रिश्तेदारों की मौजूदगी में शव को पीएम के बाद उन्हें सौंप दिया गया है। पीएम रिर्पोट आने पर ही मौत का सही कारण साफ हो सकेगा, जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

फैल रहा दुर्लभ न्यूरोलाजिकल रोग जीबीएस

भोपाल। डायरिया और सांस की समस्या से पीड़ित मरीजों में गंभीर बीमारी गुलेन बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) ने दस्तक दे रही है। यह एक दुर्लभ लेकिन गंभीर न्यूरोलाजिकल विकार है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से नर्वस सिस्टम पर हमला करती है। इससे मरीजों को हाथ-पैरों में कमजोरी, झनझनाहट और कई बार लकवा तक का सामना करना पड़ रहा है। गजराराजा मेडिकल कॉलेज के न्यूरोलॉजी विभाग में औसतन दो मरीज प्रतिदिन भर्ती हो रहे हैं जिनमें परीक्षण के बाद जीबीएस की पुष्टि हुई है। डॉक्टरों के अनुसार, यह बीमारी अक्सर डायरिया या सांस के संक्रमण से ठीक होने के कुछ दिन बाद उभरती है। दूषित खानपान और वायरल संक्रमण इसके प्रमुख कारण हैं। बीते कुछ सप्ताहों में भर्ती होने वाले मरीजों में से 15 प्रतिशत से अधिक को जीबीएस की पुष्टि हुई है। इन मरीजों में बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हैं।

वृद्धा की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस को पीएम रिपोर्ट का इंतेजार

भोपाल। गोविंदपुरा इलाके के गौतम नगर में एक वृद्ध महिला की मौत के मामले में शहर से बाहर गया उनका बेटा भोपाल लौट आया है। अब मंगलवार को बेटे की मौजूदगी में मां के शव का पीएम कराने के बाद शव परिवार वालो को सौंपा जायेगा। वहीं पुलिस ने मृतका के संदेही पोते को हिरासत में रखा हुआ है। उसने पुलिस को बताया कि उसने अपनी दादी के साथ मारपीट कर चांटे मारे थे, लेकिन उससे उसकी मौत नहीं हो सकती। ऐसे में पुलिस का अनुमान है, कि गला घोंटकर महिला की हत्या की गई है। पुलिस का कहना है, कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण साफ हो सकेगा, जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी। पुलिस के अनुसार गौतम नगर स्थित एक निमार्णाधीन बिल्डिंग में 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला इतवारी बाई अपने पोते कार्तिक के साथ करीब एक महीने से रह रही थीं। वृद्धा इतवारी बाई का बेटा इस समय पैतृक शहर गोरखपुर गया हुआ है। रविवार को पुलिस को महिला की लाश मिली थी। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। आसपास के लोगों ने मृतिका के पोते कार्तिक पर शंका जाहिर की जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया था। शुरुआती पूछताछ में सामने आया की महिला का पोता कार्तिक इसी बिल्डिंग में चौकीदारी का काम करता है।

टीम खंडेलवाल के गठन के लिए तैयार हुआ फार्मूला

कार्यकर्ताओं के फीडबैक पर बनेगी भाजपा कार्यकारिणी

भोपाल ■ निसं

दिल्ली में भाजपा हाईकमान से हरी झंडी लेकर आए मप्र के भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की नई टीम ट्रस्टेड से पहले टेस्टेड होगी। ये पहली बार है कि मप्र में भाजपा टीम के ऐलान के पहले उचित कार्यकर्ता की तलाश भी की जा रही है। ये पार्टी का घोषित कार्यक्रम नहीं है, लेकिन मप्र भाजपा में संगठन की कार्यकारिणी घोषित करने से पहले कार्यकर्ताओं का फीडबैक भी लिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कार्यकर्ताओं के फीडबैक पर ही प्रदेश भाजपा की कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

गौरतलब है कि पदभार ग्रहण करने के बाद मप्र में मालवा, विंध्य, महाकौशल के दौरे पर निकल रहे हेमंत खंडेलवाल नेताओं से मंथन के पहले कार्यकर्ताओं की बात सुन रहे हैं। मप्र भाजपा की गिनती देश के सर्वश्रेष्ठ संगठन वाले राज्य के तौर पर होती है। बेशक अभी चुनाव नहीं है, लेकिन संगठन में जो टीम बनेगी ये लगभग तय है कि चुनाव के वक्त तक उसमें कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। लिहाजा पार्टी के नए प्रदेश हेमंत खंडेलवाल ने अपने नई टीम में सदस्यों के सिलेक्शन की प्रोसेस कई चरणों की रखी है। भाजपा के पितृ पुरुष कुशाभाऊ ठाकरे की राजनीति से प्रेरित हेमंत खंडेलवाल ने पदभार ग्रहण करने के साथ ये बयान दिया था कि पार्टी अनुशासन से दाएं-बाएं होने वालों को दिक्कत होगी। बाकी जो योग्य है, उनके लिए अवसरों की कमी नहीं होगी। पदभार ग्रहण करने के खंडेलवाल मप्र के अलग-अलग इलाकों के दौरे पर निकल रहे हैं। उज्जैन इंदौर के बाद नर्मदापुरम और बैतूल का दौरा कर चुके हैं। इसके बाद वे विंध्य ग्वालियर, चंबल, महाकौशल और बुंदेलखंड का भी दौरा करेंगे। जानकारी के मुताबिक ये दौरे कार्यकर्ताओं के मन की बात सुनने के लिए होंगे।

खंडेलवाल को मिला फ्री हैंड

नवनिर्वाचित भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल पार्टी के शीर्ष नेताओं से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। अध्यक्ष बनने के बाद औपचारिक सौजन्य भेंट के साथ ही इन्हें नई कार्यकारिणी के सिलसिले में चर्चा के लिए मुलाकात भी माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि खंडेलवाल की साख और पार्टी संगठन के प्रति उनके समर्पण भाव को देखते हुए अपनी टीम चुनने के लिए उन्हें खासे अधिकार दिए गए हैं। शीर्ष नेतृत्व ने अपनी अपेक्षाएं भी बता दीं हैं, जिनके आधार पर प्रदेश भाजपा में बड़ा बदलाव तय हो गया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का पद संभालने के बाद दी दिन पूर्व सीएम डॉ. मोहन यादव के साथ हेमंत खंडेलवाल जब अपने पहले दिल्ली दौरे पर पहुंचे थे, तब ही राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर ली थी। 11 जुलाई को प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल फिर दिल्ली पहुंचे।

पूर्णकालिक आएंगे पार्ट टाइम बाहर होंगे

पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के कार्यकाल में मौका तो हर क्षेत्र को दिया गया था, लेकिन सांसद और विधायकों को जवाबदारी दे देने से हुआ ये कि लगातार चुनाव और फिर विधानसभा और लोकसभा के सत्र की वजह से वे संगठन में उतने सक्रिय नहीं रह पाए। अब माना जा रहा है कि हेमंत खंडेलवाल क्षेत्रीय संतुलन का पूरा ध्यान रखते हुए पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को ही अपनी टीम में मौका देंगे। हेमंत खंडेलवाल ने ये कहा भी है कि पार्टी में पार्ट टाइम पॉलीटिक्स करने वालों के लिए जगह नहीं होगी। पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं के लिए अवसर होंगे।

टीआईटी कॉलेज छात्राओं से दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग, धर्म परिवर्तन दबाव बनाने का मामला

भोपाल ■ निसं

राजधानी में स्थित टीआईटी कॉलेज में छात्राओं से दुष्कर्म कर उनके वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के सनसनीखेज मामले में जहांगीराबाद थाना पुलिस ने जिला जॉच के बाद कोर्ट में चालान पेश किया है। पुलिस ने बताया की आरोपी फरहान खान, साहिल खान, सैयद अली अहमद, साद उर्फ शम्सउद्दीन, मोहम्मद नबील और अबरार को आरोपी बनाया है। फिलहाल सभी आरोपी जेल में बंद हैं। थाना पुलिस ने पीड़िताओं और उनके परिजन के दर्ज बयान, मोबाइल की कॉल डिटेल रिकॉर्ड, वीडियो फुटेज और फोटोग्राफ साक्ष्य के तौर पर कोर्ट में पेश किए हैं। इस दौरान आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने चालान में अदालत को बताया कि पीड़िता को लेकर आरोपी फरहान दोस्त के घर गया था। उसके दोस्त के घर पहले से ही कुछ और दोस्त मौजूद थे। पीड़िता को अलग कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया, इसके बाद जबरदस्ती वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करते हुए धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया। गौरतलब है कि पुलिस जांच के दौरान पूर्व में मुख्य आरोपी फरहान

के मोबाइल में एक वीडियो ऐसा मिला था, जिसमें वह एक साथ तीन लड़कियों के साथ ज्यादती करते हुए उनके साथ मारपीट कर रहा है। अन्य वीडियो में सामने आया की आरोपी लड़कियों के साथ क्रूरता करते हुए उनके साथ मारीपट करता था। और उनके वीडियो बनाकर अपने मोबाइल फोन में सेव कर लेता था। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह गांजा पीने का आदी है। इंदौर की एक पीड़िता को उसने कई बार मजबूर कर गांजा और शराब पिलाई है। गौरतलब है कि टीआईटी कॉलेज छात्राओं से रेप और लव जिहाद की एफआईआर भोपाल के तीन थानों में दर्ज हैं। इससे पहले अशोका गार्डन और बागसेवनिया थाना पुलिस ने जांच पूरी कर कोर्ट में चालान पेश किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए तीन थानों की टीमें अलग-अलग आरोपियों के खिलाफ जांच कर रही थीं। अब सभी मामलों में अभियोग पत्र दाखिल कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

अभिराम खरे ने ग्रहण किया भोपाल मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक का कार्यभार

भोपाल ■ निसं

आज 15 जुलाई 2025 को पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल के नए अपर मंडल रेल प्रबंधक (ए.डी.आर.एम.) के रूप में अभिराम खरे ने विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने यह जिम्मेदारी निवर्तमान ए.डी.आर.एम. श्रीमती रश्मि दिवाकर से संभाली।

अभिराम खरे भारतीय रेलवे लेखा सेवा के 2006 बैच के अधिकारी हैं। कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व वे पश्चिम मध्य रेलवे मुख्यालय, जबलपुर में वित्त सलाहकार (यातायात एवं निर्माण) के पद पर कार्यरत थे। इससे पूर्व वे भोपाल में निर्माण विभाग में उप वित्त सलाहकार के रूप में तथा जबलपुर में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

आपने अपने रेलवे कैरियर की शुरुआत जबलपुर मंडल में सहायक मंडल वित्त प्रबंधक के पद से की थी। कार्यकुशलता और गहन प्रशासनिक अनुभव के कारण उन्हें वित्त, निर्माण तथा प्रबंधन से संबंधित कई महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करने का अवसर प्राप्त हुआ।

अभिराम खरे ने डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर से फार्मेसी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त उन्होंने राजनीति शास्त्र एवं अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर तथा कानून में भी स्नातक डिग्री हासिल की है।

उनके पास बहुविषयी शैक्षणिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ प्रशासनिक दक्षता का भी समृद्ध अनुभव है।

भोपाल मंडल में ए.डी.आर.एम. के रूप में उनकी नियुक्ति पर मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी और आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। मंडल को उनके नेतृत्व में नव ऊर्जा, नयी दृष्टि और सुव्यवस्थित प्रबंधन की अपेक्षा है।

नशे के खिलाफ पुलिस का अभियान, 30 जुलाई तक प्रदेश में चलेगा

भोपाल। मप्र में नशे के खिलाफ पुलिस ने अभियान मंगलवार से शुरू किया है। यह अभियान 30 जुलाई तक प्रदेशभर में चलेगा। इसी कड़ी में नशे से दूरी है जरूरी अभियान को डीजीपी कैलाश मकवाना ने लॉन्च किया है। इस अवसर पर डीजीपी कैलाश मकवाना ने कहा कि ड्रग्स और नशीले पदार्थों से युवा पीढ़ी प्रभावित हो रही है। इस अभियान में सभी सरकारी विभागों को शामिल किया गया है। प्रदेश के सभी एसपी, डीआईजी, आईजी को दिशा निर्देश दिये गए हैं। डीजीपी ने कहा प्रदेश में अपराध नियंत्रण में हैं, कोई भी सनसनीखेज अपराध ऐसा नहीं हुआ बीते 7 महीने में जिसमें तत्काल गिरफ्तारी न हुई है। पुलिस भर्ती प्रक्रिया भी चल रही है। नक्सलियों के खात्मे के लिए लगातार विशेष अभियान चला है। मध्यप्रदेश में 2025 में 10 नक्सलियों को मार गिराया गया।

रनिंग ट्रेनों में चोरों की धमाचौकड़ी जारी

गेट पर बैठे मुसाफिर का मोबाइल झपटा, बर्थ पर रखा पर्स चोरी

भोपाल ■ निसं

राजधानी से गुजरने वाली ट्रैनो में चोरो की धमाचौकड़ी लगातार जारी है, अज्ञात बदमाश मुसाफिरो को लगातार अपना निशाना बनाकर कीमती माल पर हाथ साफ कर रहे है। जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार बदनावर, जिला धार में निवासी जीवन सोलंकी (29) ने अपनी शिकायत में बताया कि बीती 12 जुलाई को वह तिरूकुलम एक्स के जनरल कोच में चेन्नई एग्मोर से भोपाल का सफर कर रहे थे। यात्रा के दौरान वे गेट पर बैठकर मोबाइल चला रहे थे। भोपाल स्टेशन आने से पहले ट्रेन की स्पीड धीमी हो गई थी।

इसी बीच एक अज्ञात युवक ने उनके हाथ पर झपट्टा मारकर उनका 36 हजार कीमत का मोबाइल झपट लिया। जीवन सोलंकी ने ट्रेन से उतरकर बदमाश की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। वहीं बृजमोहन सोनी (68) ने बताया की वह लसूड़िया, इन्दौर में रहते हैं।

और अपनी पत्नी उमा सोनी के साथ यशवंतपुर एक्सप्रेस से काचीगोडा हैदराबाद से इंदौर की यात्रा ए-वन कोच में सीट नंबर 7 व 9 पर कर रहे थे। ट्रेन भोपाल रेलवे स्टेशन पर रात करीब सवा एक बजे के आसपास पहुंची। वे अपना पर्स बर्थ पर रखकर बाथरूम चले गए। वहां से लौटकर देखा तो बर्थ पर रखा पर्स गायब था। चोरी गये पर्स में 15 हजार की नगदी, एक चांदी का हाथी, चश्मा सहित आईकार्ड और चाबियां रखी थी। वहीं नेहरू नगर, पचमढ़ी निवासी फरियादी अमित कुमार दुबे (60) ने उन्होंने पुलिस को बताया कि वे भोपाल से पिपरिया का सफर करने के लिये स्टेशन पहुंचे थे।

ईओडब्लयूओ से हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

सहारा जमीन-बिक्री की जांच अब हाई कोर्ट की निगरानी में

भोपाल ■ निसं

सहारा समूह की 310 एकड़ जमीन की बिक्री का मामला हाई कोर्ट पहुंच गया है।आशुतोष मनु दीक्षित ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई है। याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने ईओ डब्लूयू से केस डायरी और अभी तक की गई कार्यवाही की जानकारी शपथ पत्र में मांगी है।अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी।

सहारा समूह की करीब 1000 करोड रुपए की 310 एकड़ जमीन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ बेचा गया था। इस सौदे में करोड़ों रुपए की हेरा फेरी और मनी लॉन्ड्रिंग की गई है।

इसमें भोपाल की 110 एकड़ जमीन 48 करोड रुपए में जबलपुर की 100 एकड़ जमीन 20 करोड रुपए में कटनी की 100 एकड़ जमीन का सौदा 22 करोड रुपए में बेचा गया था। बेची गई जमीन से प्राप्त राशि को संयुक्त खाते में जमा नहीं किया गया था।

इस राशि को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार सेबी और सहारा के संयुक्त खाते में जमा किया जाना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं माना गया। जमीन बेचने का सौदा और रकम दोनों को खुर्द बुर्द किया गया है।

इस मामले में केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय भी सक्रिय हुआ है। सहारा समूह और उससे जुड़ी हुई संस्थाओं की मनी लेंडरिंग की जांच की जा रही है।ईड़ी ने दो लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया है।

याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में ईओडब्लू की जांच का कोई नतीजा सामने नहीं आने के कारण यह मामला हाईकोर्ट ले गए हैं। अब हाईकोर्ट की निगरानी में जमीन की अवैध खरीद बिक्री की जांच होगी। अब यह मामला आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से निकलकर केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय और हाईकोर्ट के पास पहुंच गया है।

उपाय एप के जरिए विद्युत संबंधी हर शिकायत का समाधान

उपाय एप के कंप्लेंट स्टेकटस ऑप्शिन से देखी जा सकेगी शिकायत की वर्तमान स्थिति

भोपाल ■ निसं

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं को ''उपाय एप'' के जरिए विद्युत शिकायत को ट्रेक करने की सुविधा उपलब्धि कराई है। अब उपभोक्ताद विद्युत व्यीवधान संबंधी दर्ज की गई नवीनतम शिकायत की वर्तमान स्थिति को उपाय एप के जरिए घर बैठे आसानी से देख सकते हैं। उपभोक्तानओं को इसके लिए उपाय एप के कंप्लेएट स्टेबटस पर जाना होगा जहॉं उनकी शिकायत यूनिक नंबर के साथ प्रदर्शित होगी तथा शिकायत निराकरण हेतु वर्तमान में किस स्त?र पर लंबित है अथवा सतुष्टिपूर्ण निराकृत कर दी गई का पता लगाया जा सकेगा।

मध्य् क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि आंधी, तूफान एवं अन्य कारणों से होने वाले विद्युत व्यवधान के निराकरण के लिए उपभोक्ता मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय एप को अपने मोबाइल में डाउनलोड करें और अपनी शिकायत का त्वरित समाधान कराएं। कंपनी ने बताया है कि बिजली उपभोक्ता गूगल प्ले स्टोर से इस एप को नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। गौरतलब है कि उपभोक्ता मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय एप के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करने के साथ ही शिकायत की स्थिति भी जान सकते हैं।

बिजली कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ताओं के लिए उपाय एप के माध्यम से कई फायदे हो सकते हैं, जैसे उपाय एप के रजिस्टर कंम्पलेंट ऑप्शन्स की सहायता से विद्युत व्यवधान या बिल संबंधी शिकायत दर्ज कर शिकायत क्रमांक प्राप्त कर सकते हैं।

अनमोल वचन

संसार में ऐसे लोग थोड़े ही होते हैं, जो कठोर किंतु हित की बात कहने वाले होते है।
महर्षि वाल्मीकि

अपने आप को खुश करने का सबसे अच्छा तरीका है, किसी और को खुश करने की कोशिश करना।
मार्क ट्वेन

सम्पादकीय

सुरक्षाकर्मियों की झूमाझटकी, हाउस अरेस्ट, स्कूटर की सवारी

श्रीनगर में सोमवार को जो कुछ देखने को मिला है वह बड़ा आश्चर्यचकित करने वाला है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को शहीद दिवस मनाने को लेकर पहले उन्हें घर पर ही हाउस अरेस्ट किया गया। इसके बाद भी जब वह शहीद दिवस मनाने के लिए जबरदस्ती अपने घर से निकले तो सुरक्षा कर्मियों ने उनको रोकने का प्रयास किया। वह नहीं माने और मंत्रियों के साथ कब्रिस्तान में जाकर 1931 में हुए शहीदों के नाम पर फातिहा पढ़ना चाह रहे थे। उन्हें रास्ते में ही रोक लिया गया। सुरक्षा कर्मियों ने मुख्यमंत्री के साथ झूमाझपटी की। इसके बाद भी वह रुके नहीं, स्कूटर से वह कब्रिस्तान की ओर रवाना हुए। रास्ते में उन्हें फिर रोक दिया गया। लगभग 1 किलोमीटर पैदल चलते हुए वह नक्शबंद की साहिब कब्रिस्तान पर पहुंचे। कब्रिस्तान का दरवाजा बंद था, वहाँ सुरक्षा कर्मी खड़े हुए थे। उन्होंने दीवाल फांदकर कब्रिस्तान के अंदर प्रवेश किया। वहां उन्होंने शहीदों की याद में फातिहा पड़ा। उसके बाद वह बाहर निकले। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया पर अपने साथ हुए व्यवहार की फोटो और वीडियो पोस्ट की। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया है, उप राज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा शहीदी दिवस मनाने से रोकना पूरी तरह गलत था। पिछले कई दशकों से शहीद दिवस पर फातिहा पढ़ने के लिए जाया जाता था। फौत हो चुके बुजुर्गों और शहीदों की याद में फातिहा पढ़ना हमारा अधिकार है। मैं एक निर्वाचित मुख्यमंत्री हूं। मेरे ही राज्य में सुरक्षाकर्मियों द्वारा उप राज्यपाल के आदेश पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों के साथ जिस तरह की झूमाझटकी की गई है, उससे ऐसा लगता है, हम स्वतंत्र नहीं हैं। एक गुलाम प्रदेश का निर्वाचित मुख्यमंत्री हूं। जम्मू कश्मीर की सत्ता केंद्र सरकार और उपराज्यपाल के हाथों में है। केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समय जिस तरह के हालात वहां देखने को मिलते रहे, अब वही हालात जम्मू कश्मीर में देखने को मिल रहे हैं। जम्मू कश्मीर एक स्वतंत्र राज्य था। केंद्र ने पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करके केंद्र शासित प्रदेश के रूप में तब्दील कर दिया है। जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव हो गए हैं। केंद्र सरकार ने पूर्ण राज्य का दर्जा वापस करने के लिए सुप्रीम कोर्ट और लोकसभा में आश्वासन दिया हुआ है। शहीद दिवस के रूप में कब्रिस्तान में जाकर फातिहा पढ़ना उनका धार्मिक और निजी मामला था। शहीद दिवस मनाने के कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है, लेकिन धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फातिहा पढ़ने से कैसे रोका जा सकता था। वह भी इस राज्य के संवैधानिक मुख्यमंत्री के रूप में जब उमर अब्दुल्ला की जिम्मेदारी है। संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोगों के साथ यदि उनके ही सुरक्षाकर्मी तथा उनके ही राज्य की पुलिस इस तरह का व्यवहार करेगी तो संविधान मौलिक अधिकार स्वतंत्रता केंद्र एवं राज्यों के बीच के अधिकार जैसे कई प्रश्न उत्पन्न हो जाते हैं। जिसको लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी लड़ाई लड़ना शुरू की है। वह एक नई दिशा की ओर आगे बढ़ रही है। कुछ दिन पहले ही पहलगाम में 26 पर्यटकों की हत्या की गई थी, वहां पर सुरक्षा व्यवस्था के कोई इंतजाम नहीं थे। अभी तक हमले के जिम्मेदारी आतंकवादी नहीं पकड़े गए। हाल ही में उपराज्यपाल ने उक्त घटना को लेकर जिम्मेदारी स्वीकार की है। अभी यह मामला ठंडा भी नहीं हुआ था, जम्मू कश्मीर में एक नया विवाद शुरू हो गया है। एनडीए और इंडिया गठबंधन को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच में पहले से ही तलवारें खिंची हुई थीं। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री बनने के बाद उमर अब्दुल्ला द्वारा केंद्र सरकार विशेष रूप से प्रधानमंत्री के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में सहयोग देने का काम किया जा रहा था, जिसके कारण उन्हें इंडिया गठबंधन की आलोचनाओं का भी शिकार होना पड़ रहा था। उसके बाद भी इस घटना ने केंद्र एवं राज्यों के संबंधों और अधिकारों को लेकर एक नए विवाद की शुरुआत कर दी है। इस विवाद का अंत किस तरह से होगा यह कह पाना मुश्किल है, लेकिन जिस तरह से एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के साथ झूमाझटकी की गई उन्हें बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के दो पहिया वाहन और पैदल बिना किसी सुरक्षा के चलकर जाना पड़ा दीवाल फांदकर कब्रिस्तान के अंदर प्रवेश करना पड़ा, यह राजनीतिक अपरिपक्वता और अहंकार का परिचायक ही माना जा सकता है। उपराज्यपाल को मुख्यमंत्री से इस संबंध में बात करके निर्णय लेना था। वर्तमान घटना को देखते हुए यही लगता है उपराज्यपाल के रूप में मनोज सिन्हा अपने आपको सुपर सीएम मानकर चलते हैं। जम्मू कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी उन्हीं के पास है। ऐसी स्थिति में मानसून-सत्र शुरू होने पर संसद में यह मामला तूल पकड़ेगा। पहलगाम की घटना को लेकर भले मनोज सिन्हा ने जिम्मेदारी ले ली हो, लेकिन यह मामला अब एक बड़े राजनीतिक परिवर्तन का संकेत माना जा रहा है।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था। महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है। वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

अंबेडकर से आदिवासी ग्राम व्यवस्था की अनदेखी हुई?

संविधान सभा में बाबा साहेब अंबेडकर ने ग्राम स्वराज या पंचायती व्यवस्था के प्रति स्पष्ट विरोध जताया था। उनका कहना था- 'इन गांवों में कुछ भी आदर्श नहीं है। ये लोग जातिगत भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक अत्याचार के केंद्र हैं। गांव भारत की विकृति का स्रोत हैं, न कि उसकी शक्ति का। कई विचारकों और आलोचकों का मानना है कि अंबेडकर ने पंचायतों का विरोध करते समय आदिवासी ग्राम व्यवस्था की वास्तविकता को नज़रअंदाज़ किया।

सुधीर पाल

भारतीय संविधान के निर्माण के समय जब भारत अपने भविष्य की नींव रख रहा था, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक था कि लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी और कितनी विकेंद्रित होंगी। संविधान सभा में बाबा साहेब अंबेडकर ने ग्राम स्वराज या पंचायती व्यवस्था के प्रति स्पष्ट विरोध जताया था। उनका कहना था-'इन गांवों में कुछ भी आदर्श नहीं है। ये लोग जातिगत भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक अत्याचार के केंद्र हैं। गांव भारत की विकृति का स्रोत हैं, न कि उसकी शक्ति का। कई विचारकों और आलोचकों का मानना है कि अंबेडकर ने पंचायतों का विरोध करते समय आदिवासी ग्राम व्यवस्था की वास्तविकता को नज़रअंदाज़ किया। समता, संवाद और सामूहिकता पर आधारित आदिवासी गांवों की स्वायत्त और लोकतांत्रिक शासनतंत्र की संरचना से संभवतः वे परिचित नहीं थे, या उसका मूल्यांकन उनकी प्राथमिकताओं में नहीं था।

अंबेडकर ने संविधान सभा में पंचायतों को संविधान का अनिवार्य हिस्सा बनाने का विरोध किया। अंततः, पंचायतों को संविधान के नीति निदेशक तत्वों के तहत अनुच्छेद 40 में स्थान मिला, न कि मूल अधिकारों या प्रशासनिक ढांचे में। इसका अर्थ था कि पंचायतों की स्थापना राज्य सरकारों की इच्छा पर निर्भर रहेगी, और यह बाध्यकारी नहीं होगी। यह परंपरागत स्वशासन व्यवस्था को संवैधानिक दर्ज़ा दिए जाने के ऐतिहासिक पहल की भ्रूण हत्या थी।

क्या अंबेडकर आदिवासी ग्राम व्यवस्था को समझ सके?

आदिवासी समाज परंपरागत रूप से वर्णाश्रम व्यवस्था से बाहर रहा है। वहाँ जातिगत ऊँच-नीच की भावना नहीं है, बल्कि समता, सामूहिकता और श्रम के आधार पर सम्मान का बोध होता है। ग्राम सभा वहाँ न सिर्फ निर्णय लेती है, बल्कि विवाद निपटारे से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक का केंद्र होती है। उदाहरण के लिए झारखंड के हो, मुंडा, संथाल, उरांव, बिरहोर सहित लगभग सभी समुदायों की सामूहिक हित और न्याय पर आधारित पारंपरिक ग्राम व्यवस्था यथा मुंडा-मानकी, महतो, पड़हा, मांझी, पाहन, मांझी हाड़ाम, परगनैत, माझी परगना जीवंत हैं और सामाजिक तथा कानूनी मान्यता है। आदिवासी ग्राम व्यवस्था का आधार भूमि, जल, जंगल पर सामूहिक स्वामित्व है। यह उस निजी

संपत्ति आधारित ग्राम व्यवस्था से भिन्न है जिस पैरोकार अंबेडकर थे।

महात्मा गांधी ने जहाँ ग्राम स्वराज और पंचायतों को भारतीय लोकतंत्र की आत्मा माना, वहीं अंबेडकर ने इसे सामाजिक अन्याय का स्रोत बताया। गांधी का मानना था कि गाँव आत्मनिर्भर और लोकतांत्रिक इकाई हो सकते हैं, जबकि अंबेडकर ने इसे 'अतीत की कुरीतियों का गढ़' कहा। हालाँकि अंबेडकर ने आदिवासी पंचायतों का प्रत्यक्ष उल्लेख कम किया लेकिन उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के लिए अलग प्रशासनिक व्यवस्था, विशेष सुरक्षा और विकास आयोग की वकालत की थी। उनका मानना था कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा की जातिवादी राजनीति से बचाकर, उन्हें स्वायत्तता और संरक्षण मिलना चाहिए।

संविधान सभा में जयपाल सिंह मुंडा जैसे नेता आदिवासियों की आवाज बने थे। उन्होंने कहा था कि हम आदिवासी भारतीय सभ्यता के पहले नागरिक हैं, और हमारी सामाजिक संरचना भारत के संविधान की आत्मा के अधिक निकट है। यह वक्तव्य अंबेडकर की ग्राम व्यवस्था की आलोचना के बिलकुल विपरीत खड़ा होता है।

ऐतिहासिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य: संविधान सभा की बहस में अधिकांश सदस्यों का आग्रह था कि ग्राम स्वराज की पुरानी परंपरा के अनुसार देश के प्रशासन को चलाने का प्रावधान किया जाए। अंबेडकर ने व्यंग्य किया कि ऐसा प्रतीत होता है कि इन कथित बुद्धिजीवियों का ग्रामीण प्रेम सर चार्ल्स मेटकॉफ के भारत के गाँवों का वर्णन से प्रभावी है। अंबेडकर ने कहा कि भारतीय गाँवों ने भले ही विदेशी आक्रमणकारियों के हमले झेले होंगे, परंतु उन्होंने लगभग शुतुरमुर्ग की प्रवृत्ति का परिचय दिया और किसी तरह जीवित रहे भर हैं। अंबेडकर ने बेलाग होकर यह कहा कि यह कथित ग्रामीण गणतंत्र भारत की बरबादी रहे हैं।

अंबेडकर का ग्राम पंचायतों पर विरोध के संदर्भ और कारण जातिगत उत्पीड़न थे। गाँवों में दलितों के साथ अपमानजनक व्यवहार, मंदिर प्रवेश निषेध, कुओं से पानी न भरने देना जैसी घटनाएं आम थीं। ब्राह्मणवादी पितृसत्ता का ग्राम व्यवस्था में सामंती वर्चस्व बना रहता था। जातिगत श्रेणीकरण के कारण सामाजिक समानता असंभव लगती थी। शोषण की संरचना में ज़मींदार, मुखिया या पाटिल के रूप में ऊँची जातियों का वर्चस्व था, जिससे निम्न जातियों को न्याय नहीं मिलता था। बाबा साहेब को भरोसा नहीं था कि पारंपरिक पंचायतें नए संविधान द्वारा दिए गए मूल अधिकारों का सम्मान करेंगी। लेकिन क्या यह मूल्यांकन आदिवासी गाँवों पर भी लागू होता था? क्या अंबेडकर आदिवासी ग्राम व्यवस्था को समझ सके?

अंबेडकर ने आदिवासी विद्रोहों के इतिहास को लगभग नजर अंदाज कर दिया अन्यथा वे 'शुतुरमुर्ग' का उदाहरण नहीं देते। बिरसा मुंडा के उलगुलान में या संथाल हूल में या ऐसे ही दर्जनों विद्रोहों में आदिवासी ग्राम व्यवस्था की केन्द्रीय भूमिका रही है। 'कब लड़ाई शुरू होगी, बता दूंगा. अब से गाँव-गाँव में सब तीर पठाओ। पत्ता मिले तो समझना कि धर्म की बात सुनने को बुलाया है। तीर भेजने से समझना कि मैं लड़ने के लिए बुला रहा हूँ।' (जंगल के दावेदार, महाश्वेता देवी, पृष्ठ सं 104) डॉक्टर अल्तेकर ने 'स्टेट एण्ड गवर्नमेंट इन ऐंशियेंट इण्डिया में लिखा है कि 'अति प्राचीनकाल से ही भारत में प्रशासन की धुरी गाँव रहे हैं।... इसमें सन्देह नहीं कि गाँव ही सामाजिक जीवन के केन्द्रबिन्दु और देश की अर्थव्यवस्था के प्रधान इकाई थे। राष्ट्रीय संस्कृति,समृद्धि और प्रशासन का भव्य भवन इन्हीं पर खड़ा था, इनसे ही इनको संबल प्राप्त होता था।' (पृष्ठ 225)।

श्री श्रीमन्नारायण ने अपने गान्धीयन कांस्टीट्यूशन के पृष्ठ 46-47 में सर चार्ल्स ट्रेवलीन लिखते हैं- 'एक के बाद एक विदेशी आक्रमण-कारी भारत में आते और जमते रहे, किन्तु कुश की भाँति ग्राम-पालिका-समितियाँ अपने स्थान पर डटी रहीं । सर जॉर्ज बर्डउड ने लिखा है कि संसार के किसी भी देश में भारत जितनी धार्मिक और राजनीतिक क्रान्तियाँ नहीं हुई हैं।

पीएम मोदी जनता के दिलों पर राज करते हैं

देश को बांटने वाली बाधाओं को मोदी ने ही खत्म किया है। यह मोदी जी का ही निर्णय है जिसके कारण मुस्लिम बहनों को तीन तलाक की तलवार से हमेशा-हमेशा के लिए मुक्ति मिली। देश को सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास का महामंत्र मिला। देश के गरीब नागरिक, जिनके लिए बैंक के दरवाजे हमेशा बंद थे, मोदी जी के राज में न केवल बैंक उनके घर गई बल्कि बैंक खातों में सरकार ने आपदा में राशि भी पहुंचाई।

सीए अखिलेश जैन

उतार-चढ़ाव से भारी भारतीय राजनीति में वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विशेष स्थान है या मोदीजी की कार्यशैली ने मोदीजी का भारतीय राजनीति के साथ-साथ विश्व के राजनैतिक मंच पर अपना विशेष स्थान बना लिया है। यह 140 करोड़ लोगों के लिए बहुत गर्व की, बहुत बड़े सम्मान की बात है। और विशेष स्थान हो भी क्यों नहीं ?

140 करोड़ भारतवासियों का देश जिसमें अनेकों धर्म, भाषा, रहन-सहन, भोजन, पूजन पद्धति से लेकर वेशभूषा, आय के साधनों तक में भारी अंतर है, इतने अंतरों के बाद भी सबका नेता एक - नरेंद्र मोदी, अर्थात सभी मान्यताओं में फर्क के बाद भी नेता के मुद्दे पर पूरा देश एक साथ मोदी जी के साथ खड़ा है।

ऐसा क्यों?: 12 वर्ष का गुजरात के मुख्यमंत्री का कार्यकाल व 11 वर्ष का भारत के प्रधानमंत्री का कार्यकाल अपने आप में बहुत कुछ कहता है। निश्चित रूप से मोदी जी भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं। पर मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री पार्टी का नहीं राज्य का, देश का होता है।

तुष्टिकरण, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, लिंग भेद, भाषा भेद, राज्य भेद जैसी संकुचित विचारधाराओं से ऊपर उठकर कार्य करने वाले प्रधानमंत्री के लिए 140 करोड़ लोगों का देश एक है, अपना घर है। भारत के पूर्व से पश्चिम तक, उत्तर से दक्षिण तक के लिए प्रधानमंत्री जी के निर्णयों में एकरुपता है। देश को बांटने वाली बाधाओं को मोदी ने ही खत्म किया है। यह मोदी जी का ही निर्णय है जिसके कारण मुस्लिम बहनों को तीन तलाक की तलवार से हमेशा-हमेशा के लिए मुक्ति मिली। देश को सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास का महामंत्र मिला। देश के गरीब नागरिक, जिनके लिए बैंक के दरवाजे हमेशा बंद थे, मोदी जी के राज में न केवल बैंक उनके घर गई बल्कि बैंक खातों में सरकार ने आपदा में राशि भी पहुंचाई। पहली बार देश ने आत्मनिर्भर भारत मेक इन इंडिया का सपना साकार होते देखा। देश के करोड़ों गरीबों को पक्की छत मिली। पहली बार महिलाओं को लोकसभा-विधानसभा में आरक्षण सुनिश्चित हुआ। पहली बार राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला। पहली बार गरीब का इलाज सुनिश्चित हुआ। पहली बार एक देश-एक कर व्यवस्था लागू हुई। पहली बार जम्मू-कश्मीर के विकास में बाधक बेड़ियों को हटाया गया। पहली बार देश ने हर गांव तक बिजली पहुंचाने के संकल्प को पूरा करने में सफलता पाई। पहली बार देश ने भाई भतीजावाद, तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार से मुक्त सरकार को आजमाया। पहली बार देश ने आतंकवाद पर कड़ा प्रहार देखा। पहली बार देश ने रक्षा उत्पादन में आयात को निर्यात में बदलते देखा। पहली बार देश ने अर्थव्यवस्था को छलांग लगाते हुए देखा। पूरे विश्व में भारतीयों ने भारतीय होना गौरव की बात है, अनुभव किया।

इस तरह आप देखेंगे कि मोदी जी ने हर वह काम किया जिसका देश की जनता को मोदी जी से आशा,अपेक्षा व विश्वास था। पर मोदीजी ने तो जनता की आशा, अपेक्षा व विश्वास की सीमाओं से परे जाकर काम किया। या जनता को उम्मीद से कहीं ज्यादा विनम्रता पूर्वक वापस लौटाया ।

अंधकार व निराशा के गर्त से उठाने के लिए मोदी जी सहारा बने। खोया आत्मविश्वास जगाने में मोदी जी कामयाब हुए। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ उन गरीब परिवारों को हुआ जो गरीबी रेखा से नीचे गुजर बसर करते थे एवं कभी गरीबी रेखा से ऊपर आने का विचार भी मन में लाने का साहस ना था। आज 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर आने में सफल हुए हैं। मोदी के राज में पहली बार भारत ने वादे नहीं,नारे नहीं, धरातल पर काम होते देखा।

मोदी की कार्यशाली, निर्णय लेने की क्षमता व दूरदर्शिता, मोदी को विशिष्टता प्रदान करती है। यह विशिष्टता ही लोगों को मजबूर करती है कि मोदी जी दिलों पर राज करें।

जनता के दिलों पर राज करना किसी राजनेता की असाधारण क्षमता का परिचायक है। यह सिद्ध करता है कि मोदी जी प्रधानमंत्री बनकर नहीं जनता के भाई, बेटे, हमदर्द बनकर काम करते हैं। जनता के अपेक्षाओं को अच्छे से पहचानते हैं। मोदी का प्रधानमंत्री पद जनता की सेवा के लिए है। प्रधानमंत्री पद को मोदी जी ने जनता की सेवा का माध्यम बनाकर प्रधानमंत्री व आम जनता के बीच के अंतर को पाटने में सफलता पाई है। मोदी जी ने प्रधानमंत्री को आम जनता का प्रतिनिधि सिद्ध किया है। मोदी जी ने जनता की आशाओं, अपेक्षाओं और विश्वास पर खरे उतर कर जनता के दिलों में स्थान अर्जित किया है और यही वह मूल कारण है जिसके कारण मोदी जी जनता के दिलों पर राज करते हैं। मोदी प्रधानमंत्री पद से ऊपर उठ कर जनता के दिलों में बसेरा करते हैं।

(लेखक भाजपा मध्य प्रदेश के कोषाध्यक्ष हैं)

शमशान - शवदाह संस्कार

किशन सनमुखदास भावनानीं

शमशान तेरा हिसाब बड़ा ही नेक है - तेरे यहां अमीर हो या गरीब सबका बिस्तर एक है श्मशान घाट का नाम सुनते ही आंखों के सामने खण्डहरनुमा वीरान स्थान, जलती चिता और उसकी राख की तस्वीर ही उभरती है। परंतु हमें किसी के कहे इन सुंदर वाक्य को वर्तमान परिपेक्ष में याद रखने की जरूरत है कि शमशान तेरा हिसाब बड़ा ही नेक है, तेरे यहां अमीर हो या गरीब सब का बिस्तर एक है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मेरा मानना है कि यहां यह एक ऐसा स्थान है जहां सबका एक समान स्थिति का बोध होता है समाज के हर वर्ग के हर प्राणी को उसी चिता पर लिटाया जाता है। हालांकि प्रक्रिया रीति रिवाज मान्यताएं हर वर्ग की अलग अलग हो सकती है क्योंकि इस रीति रिवाज की घनिष्ठता से ही भारत अनेकता में एकता का भाव रखता है परंतु भेदभाव के भाव में महसूस होता है अभाव! हम सब जीवन के करीब क़रीब हर स्तरपर, हर स्थिति में भेदभाव का भाव महसूस करते हैं। हर कोई अपनों को प्राथमिकता देता है बड़े नामचीन लोगों का साथ प्रतिष्ठा का एक प्रतीक माना जाता है, परंतु अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति से कोई मतलब पड़ने पर ही बात करना पसंद करता है परंतु असल में श्मशान का बिस्तर ही एक ऐसा स्थान है जहां हर रिक्शा वाले रेहड़ी पटरी वाले और मजदूर इंसान से लेकर बड़े से बड़े उद्योगपति ऑफिसर नेता व्यक्ति की देह को भी उसी बिस्तर पर ही प्रक्रिया कर अग्नि सुपुर्द या सुपुर्द ए खाक किया जाता है जो एक सबसे बड़ा समानता का प्रतीक है। चूंकि आज हम शमशान की नेक सबका बिस्तर एक पर चर्चा कर रहे हैं इसीलिए हमें श्मशान और उससे जुड़ी प्रथाओं मान्यताओं और महिलाओं के प्रवेश वर्जित की मान्यताओं पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सहयोग उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम अंतिम संस्कार की करें तो, हिंदू धर्म में 16 संस्कारों में 16वां संस्कार अंतिम संस्कार होता है। हिंदुओं में व्यक्ति की मृत्यु के बाद दाह संस्कार की रस्में निभाई जाती हैं। मृत व्यक्ति की शव यात्रा निकालने के बाद श्मशान घाट में देह को पंचतत्व में विलीन किया जाता है। अक्सर हमने देखा होगा कि अंतिम संस्कार में केवल पुरुष ही शामिल होते हैं, जबकि महिलाओं का श्मशान घाट में जाना वर्जित होता हैं। ऐसा क्यों होता है? इसके पीछे कुछ पौराणिक मान्यताएं हैं। साथियों बात अगर हम इंसान के बराबरी भाव की करें तो कहावत है कि ईश्वर की नजर में सब बराबर हैं, क्योंकि उसने सबको बराबर जो बनाया है। उसके लिए न कोई अमीर है, न गरीब। न कोई ऊँच, न नीच। न कोई छोटा, न बड़ा। लेकिन विडंबना यह है कि दिन-रात उससे याचना कर उसकी राह पर चलने का दावा करने वाले उसके बंदे, उसके भक्त ही सबको बराबरी की नजर से नहीं देखते, क्योंकि उनकी नजर, उनके मन, आचरण में भेदभाव होता है इसी कारण वे सामने वाले को अपने से छोटा या बड़ा, ऊँचा या नीचा मानते हैं। और जो ऐसा करते हैं, वे अपने पास सब कुछ होने के बाद भी एक कमी-सी, एक अभाव-सा महसूस करते हैं। वे यह समझ ही नहीं पाते कि यह अभाव अपने मन में बसी भेदभाव की भावना की वजह से है। जिस दिन वे इससे ऊपर उठ जाएँगे, उस दिन यह कमी खुद-ब-खुद दूर हो जाएगी। लेकिन समस्या यह है यह जानते हुए भी लोग इससे मुक्त नहीं हो पाते। साथियों बात अगर हम मानवीय भाव में हर क्षेत्र में विभाजन की करें तो वर्तमान समय में श्मशान में भी सामाजिक विभाजन के एक भाव को आधुनिकता एवं अलग वैचारिक सामाजिक सोच के प्रभाव में आकर बदले जाने की कोशिश तेज हो गई है क्योंकि, भारत के सामाजिक ढांचे में इंसानियत का यह विभाजन जन्म के साथ शुरू होता है और मौत के बाद भी श्मशान घाट तक इंसान का पीछा करता है। भारतीय समाज अनेक जाति-धर्मों में तो बंटा रहा है, लेकिन यह बंटवारा श्मशान घाट में भी दिखाई देता है।

खास बात

दोनों नेताओं के विवाद से नाराज हैं, राहुल गांधी?

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धू रमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिव कुमार चार दिन तक दिल्ली में डेरा डाले हुए थे। कांग्रेस सुप्रीमो राहुल गांधी से दोनों नेताओं की भेंट नहीं हुई। राहुल गांधी ने उन्हें मिलने का समय नहीं दिया। दोनों नेता राहुल गांधी से मिलने के लिए दिल्ली में टिके हुए थे। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक थी। वह कार्यक्रम पहले ही दिन निपट गया था। कांग्रेस महासचिव रणजीत सुरजेवाला से मिलकर ही दोनों नेताओं को चार दिन इंतजार करने के बाद वापस बेंगलुरु लौटना पड़ा।

गोदी मीडिया में पप्पू और कन्हैया कुमार छाए

9 जुलाई को बिहार के पटना में चक्का जाम कार्यक्रम था। इसमें कांग्रेस सुप्रीमो राहुल गांधी पहुंचे थे। जिस ट्रक में वह सवार थे। उस ट्रक में पप्पू यादव और कन्हैया कुमार को सुरक्षा कर्मियों ने नहीं चढ़ने दिया। राहुल गांधी की सुरक्षा व्यवस्था में पहले नाम देना पडते हैं। मंजूरी मिलने के बाद ही सुरक्षा कर्मी उन्हें उनके पास तक पहुंचने देते हैं। पप्पू यादव और कन्हैया कुमार का नाम क्यों नहीं था। था तो किसने कटवाया, नाम था या नहीं था। इसको लेकर तरह-तरह की अटकलें लग रही हैं। गौदी मीडिया को 9 जुलाई के कार्यक्रम को अलग रंग देना था। उसे मसाला मिल गया। बिहार की राजनीति में अब पप्पू यादव और कन्हैया कुमार ही चल रहे हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव दोनों चुप हैं। तेजस्वी यादव बिहार की राजनीति में दोनों को पसंद नहीं करते हैं। जिसके कारण गोदी मीडिया ने इसे चर्चा का विषय बना लिया।

दलाई लामा को भारत रत्न?

चीन को लेकर अब भारत का रुख आक्रामक होता चला जा रहा है। चीन को जवाब देने के लिए दलाई लामा को भारत रत्न से सम्मानित करने की पहल सरकार द्वारा की जा रही है। उनके 90 जन्मदिन के अवसर पर भारत सरकार उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने पर विचार कर रही है। अरुणाचल के मुख्यमंत्री ने चीन और तिब्बत की सीमा को लेकर अपनी बात रखी है। दलाई लामा को 80 सांसदों ने भारत रत्न देने की अनुशंसा की है। जिस तरह के रिश्ते भारत और चीन के बीच में बन रहे हैं। भारत अपने आप को आक्रामक होते हुए दिखाना चाहता है। अभी तक चीन का नाम लेने से भारत सरकार बचती थी। अब चीन को भारत सरकार अप्रत्यक्ष रूप से जवाब देने की तैयारी करती हुई दिख रही है।

अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता 1 अगस्त के पहले?

भारत को घेरने का कोई भी मौका अमेरिका नहीं छोड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के ऊपर तगड़ा दबाव बना दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने पहले 9 जुलाई की तारीख तय की थी। अब 30 जुलाई तक का समय दे दिया है। भारत के अधिकारी अमेरिका में डेरा डाले हुए हैं। 15 से 20 फ़ीसदी टेरिफ़ पर सहमति बन रही है। कृषि और डेयरी उत्पाद को लेकर दोनों देशों के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। जिसके कारण मामला अटका हुआ है। भारत और चीन के संबंध तनाव पूर्ण होने का पूरा लाभ अमेरिका ले रहा है। भारत दो पाँटों के बीच में फंस गया है। अमेरिका चाहता है, भारत रूस से अपने व्यापारिक संबंध खत्म करे। यदि ऐसा हुआ तो भारत एक ऐसे दलदल में फंसेगा। जहां से बाहर निकलना बहुत मुश्किल होगा।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, श्रावण कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, छटवीं, बुधवासरे, पूर्वाभाद्र पद, उत्तरा भाद्र पद नक्षत्रे, शोभन योगे, गर करणे, मीन की चंद्रमा, भद्रा 34/18 कर्क रवि तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम तथा फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, शिक्षक, शिक्षाविद, लेक्चरार, प्रिंसपल, शिक्षा शास्त्री, पंडित विद्वान, ज्योतिषी, तपस्वी तथा इंडस्ट्री मालिक, उत्तम व्यापारी तथा राजनेता, पार्टी संगठन तथ उत्तम खेती करने वाला, किसान भूमि भवन का मालिक सरदार होगा।

मेष राशि- सोचे हुए कार्य पूर्ण हो, सामर्थ्य के योग बने, अधिकारियों से संतोष अवश्य बनेगा।

वृष राशि- अधिकारियों का समर्थन बना रहे, आशानुकूल सफलता से हर्ष अवश्य होगा।

मिथुन राशि- अधिकारियों के तनाव, क्रोध से बचिए, कही आरोप कष्ट कारक हो सकते है।

कर्क राशि- अशुद्ध गोचरर रहने से विशेष कार्य सिद्ध, व्यापार में हानि संभव होगी।

सिंह राशि- तनाव, क्लेश व अशांति हो, समय और धन वृथा नष्ट होगा, ध्यान रखे।

कन्या राशि- वृथा धन खर्च, दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेत्र से तनाव बनेगा, सर्तक अवश्य रहें।

तुला राशि- सर्तकता से कार्य निपटा लें, व्यावसायिक चिन्ता कम होगी, समय का ध्यान दें।

वृश्चिक राशि- आशानुकूल सफलता का हर्ष, विशेष अर्थ व्यवस्था, विशेष अनुकूल ही रहेगी।

धनु राशि- चिन्ता निवृत्ति योजना फलीभूत हो, मनोबल उत्साह वर्धक बना ही रहेगा।

मकर राशि- मानसिक क्लेश अशांति शारीरिक कष्ट विभ्रम तथा उद्विग्नता, अवश्य बनेगी।

कुंभ राशि- स्त्रीवर्ग से हर्ष उल्लास एवं दैनिक समृद्धि के साधन बने, तथा कार्य जुटायेंगे।

मीन राशि- आर्थिक स्थिति में सुधार, चिन्ताएं कम होगी तथा रुके कार्य अवश्य बन जायेंगे।

डॉ. पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

16 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.30 बजे से
चंद्र	मीन में	सिंह	07.46 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.58 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.08 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.23 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.39 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.44 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.31 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.04 बजे से
राहुकाल		मेष	23.34 बजे से
12.00 से 1.30		वृष	01.14 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.12 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 197 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 21.02 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 05.47 बजे तदनन्तर उत्तराभाद्रपदा 4.51 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** शोभन 11.57 बजे को समाप्त। **करण** गर 09.53 बजे तदनन्तर वणिज 21.02 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 21' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872407 **जूलियन दिन** 2460872.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 20 **विशेष** कर्क संक्रांति।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

बाप रे बाप... वर्ष 2100 में भारत की आबादी 1.5 अरब, जबकि चीन की 63 करोड़ रहेगी

लंदन। प्यू रिसर्च के मुताबिक, आने वाले दशकों में भारतीय आबादी की तस्वीर पूरी तरह से बदलने वाली है। वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, लेकिन भविष्य में इसकी युवा आबादी में कमी होगी और जनसंख्या वृद्धि की दर धीमी होगी। अनुमान है कि वर्ष 2061 तक भारत की आबादी बढ़कर 1.7 अरब होगी। लेकिन उसके बाद यह धीरे-धीरे गिरने लगेगी और वर्ष 2100 में 1.5 अरब रह जाएगी। पाकिस्तान में मानव आबादी का विस्फोट होने की उम्मीद वहीं इसके विपरीत, वर्ष 2100 में चीन की आबादी मात्र केवल 63 करोड़ रहेगी। इसका मुख्य कारण चीन की लंबे समय से चली आ रही एक बच्चा नीति है, इस लोगों ने आत्मसात कर लिया है। भले ही चीन सरकार ने अब नीति को बदल कर जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहित कर रही है, लेकिन चीनी अब अधिक बच्चे पैदा करने को लेकर उत्सुक नहीं हैं। दिलचस्प बात यह है कि 2100 तक भारत की जनसंख्या चीन के दोगुने से भी अधिक होगी, भले ही भारत की आबादी में कमी आएगी। वहीं, पाकिस्तान में मानव आबादी का विस्फोट होने की उम्मीद है। प्यू रिसर्च के अनुसार, वर्ष 2100 में दुनिया की आबादी की वृद्धि में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी पांच देशों- कॉन्गो, इथियोपिया, नाइजीरिया, पाकिस्तान और तंजानिया की रहेगी। पाकिस्तान में आबादी को नियंत्रित करने के उपायों की कमी है, जिसका कारण अशिक्षा और गरीबी सहित कई कारक हैं। नाइजीरिया और इथियोपिया भी दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले 10 देशों में शामिल हो सकते और आने वाले दशकों में अफ्रीकी देश ही दुनिया में सबसे युवा आबादी रहेगी। वैश्विक स्तर पर, वर्ष 2100 तक दुनिया की औसत आयु बढ़कर 42 साल हो जाएगी, जो वर्तमान में 31 वर्ष है। इसके अलावा, 2.4 अरब लोग 65 साल या उससे अधिक आयु के हो सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य संकट पैदा हो सकता है।

पंजाब विधानसभा में पारित नहीं हो सका पवित्र ग्रंथों की बेअदबी रोकथाम विधेयक

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने प्रदेश में हो रही बेअदबी की घटनाओं में कठोर सजा के लिए विधानसभा में पेश किया बिल पास नहीं हो सका। सदन में कई घंटे की चर्चा के बाद विधानसभा ने विधेयक को सलेक्ट कमेटी के पास भेज दिया गया। अब यह बिल अगले सत्र में पेश किया जाएगा। पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान की ओर से सोमवार को 'पंजाब पवित्र ग्रंथों के खिलाफ अपराध रोकथाम विधेयक-2025' पेश किया गया था। विपक्ष की मांग पर स्पीकर ने मंगलवार को इस विधेयक पर बहस शुरू करवाई। सदन में बहस शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले भगवंत मान व आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने 24 घंटे में बेअदबी के दोषियों को सजा देने का ऐलान किया था, लेकिन आज 27 हजार 456 घंटे अथवा 1144 दिन के बाद सरकार सदन में यह बिल लेकर आई है।

खुद के शौक पूरे करने के लिए बच्चे पैदा करती थी महिला, पुरुषों से बनाती थी संबंध

बीजिंग। दक्षिणी चीन के गुआंग्शी प्रांत की रहने वाली एक महिला ने दूसरे पुरुषों से संबंध बनाकर बच्चे पैदा करना और उन्हे बेचना धंधा बना लिया था। इससे जो भी पैसे मिले थे उससे महिला अपने निजी शौक पूरे करती थी। आरोपी की पहचान 26 वर्षीय हुआंग के रूप में हुई है, जो मूल रूप से दक्षिणी चीन के गुआंग्शी प्रांत की रहने वाली है और उसने केवल प्राथमिक स्कूल तक शिक्षा हासिल की है। बाद में हुआंग दक्षिण-पूर्वी चीन के फुजियान प्रांत के फूजौ में चली गई और छोटे-मोटे काम करके अपना जीवनयापन किया। अक्टूबर 2020 में, उसने अपने पहले बेटे को जन्म दिया। लेकिन आर्थिक तंगी और पिता की गैर-मौजूदगी के कारण उसे अपने बेटे की देखभाल करने में कठिनाई हो रही थी। इसलिए, उसने अपनी परेशानी से बचने के लिए बच्चे को बेचने का फैसला किया।

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की यमन में फांसी टली

नई दिल्ली। यमन में हत्या के मामले में मौत की सजा पाने वाली केरल की निमिषा प्रिया की फाँसी को स्थगित कर दिया गया है। उसे कल यानी 16 जुलाई को फांसी दी जानी थी। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। उनके अनुसार भारत सरकार इस जटिल मामले से शुरू से ही सक्रिय रूप से जुड़ी रही है और निमिषा प्रिया के परिवार को व्यापक सहायता प्रदान कर रही है। हाल के हफ्तों में भारतीय अधिकारियों ने परिवार को विरोधी पक्ष के साथ पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तक पहुँचने के लिए अतिरिक्त समय पर बातचीत करने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। सूत्रों का कहना है कि स्थिति की नाजुक प्रकृति के बावजूद भारतीय राजनयिकों ने स्थानीय जेल अधिकारियों और अभियोजक कार्यालय के साथ नियमित संपर्क बनाए रखा है।

बायोस्टिमुलेंट के मामले में कोई अनुमति देते वक्त किसानों की स्थिति का भी रखें ध्यान: शिवराज सिंह

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बायोस्टिमुलेंट की बिक्री को लेकर मंगलवार को एक बैठक में अधिकारियों को पारदर्शी तरीके से काम करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने बायोस्टिमुलेंट के मामले में अधिकारियों को हिदायत दी कि वे कोई भी अनुमति देते समय किसानों की स्थिति को ध्यान में रखें।

चौहान ने कृषि भवन में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में कहा कि हम देश के छोटे किसानों के साथ किसी भी हालत में अन्याय नहीं होने देंगे। कुछ बेईमान गड़बड़ियां कर रहे हैं, जिनसे किसानों को बचाना मेरी जिम्मेदारी है। भोले-भाले किसानों से शिकायतें मिलने के बाद चुप नहीं बैठा जा सकता, किसान सर्वोपरि हैं। देश का कृषि मंत्री होने के नाते उनकी जवाबदेही है कि इस संबंध में कार्रवाई हो।

उन्होंने अनेक गंभीर सवाल उठाते हुए बैठक में अधिकारियों से कहा कि देश में बायोस्टिमुलेंट कई सालों से बिक रहा है और एक-एक साल करके इसकी बिक्री की अनुमति की अवधि बढ़ाई जाती रही है, लेकिन फील्ड से कई बार शिकायतें आती हैं कि इससे कोई फायदा

नहीं है फिर भी ये बिक रहा है। चौहान ने कहा कि इसकी पूरी समीक्षा करना आवश्यक है कि इससे कितना फायदा किसानों को हो रहा है, यदि नहीं तो बेचने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। बिना अर्थ के हजारों कंपनियां इसकी बिक्री करने में लग गईं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बायोस्टिमुलेंट के इतिहास, आज की स्थिति, पंजीकृत उत्पादों की संख्या, बाजार में इसकी बिक्री को नियंत्रित करने के उपाय, सेम्पलिंग या टेस्टिंग की व्यवस्था है या नहीं, असली-नकली की पहचान के तरीके और गड़बड़ होने की स्थिति में कार्रवाई के लिए प्रावधान की पूरी जानकारी दें। चौहान ने कहा कि किसानों के भरोसे के लिए बायोस्टिमुलेंट का आईसीएआर से परीक्षण भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि किसान हमारे लिए सर्वोपरि हैं, इसलिए यह देखा जाए कि किसानों के लिए ये तकनीकी रूप से कितने उपयोगी हैं। उन्होंने अधिकारियों के प्रति इस बात के लिए काफी नाराजगी व्यक्त की कि कुछ सालों तक 30 हजार बायोस्टिमुलेंट उत्पाद बिकते रहे और अधिकारियों द्वारा इसपर आपत्ति नहीं जताई गई। उन्होंने कहा कि गत 4 साल से करीब 8 हजार बायोस्टिमुलेंट बिकते रहे, जब मैंने इस बारे में सख्ती की तो अब तकरीबन 650 बायोस्टिमुलेंट ही बचे हैं। कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि ऐसी लापरवाही ना बरती जाए, जिससे किसानों को नुकसान हो।

उन्होंने विस्तार से समीक्षा की और पूरी जानकारी के साथ सख्त लहजे में मौजूद अफसरों से कहा वह कंपनियों की नहीं, किसानों की चिंता करें और किसान हित में काम करें। चौहान ने पूछा कि क्या कोई ऐसा डाटा है कि जिससे यह पता चले कि बायोस्टिमुलेंट से उत्पादन कितना बढ़ा है।

हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश लगातार आफत बनकर बरस रही

21 जुलाई तक भारी वर्षा का अलर्ट, 199 सड़कें बंद, 22 जगह भूस्खलन का खतरा

शिमला ■ एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश लगातार आफत बनकर बरस रही है। राज्य के ज्यादातर हिस्सों में मंगलवार को भी बारिश होती रही। राजधानी शिमला में दोपहर बाद हुई बारिश से मौसम हल्का ठंडा हुआ। मौसम विभाग ने 21 जुलाई तक कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की चेतावनी दी है। 16 जुलाई को चम्बा, कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी हुआ है। 17 जुलाई को लाहौल-स्पीति, किन्नौर और चम्बा को छोड़कर बाकी 9 जिलों में भी भारी बारिश का अलर्ट रहेगा। 18 जुलाई को ऊना, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है और 19 जुलाई को कुल्लू और मंडी में भी यही चेतावनी है।

इसी के साथ राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की रिपोर्ट ने बताया है कि हिमाचल के 22 स्थानों पर भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। इनमें मंडी जिले के 15, कांगड़ा के 4, शिमला के 2 और सोलन जिले में एक स्थान शामिल है। सोलन के डक्शी क्षेत्र में 'बहुत अधिक' खतरे का अलर्ट जारी है, मंडी के सनारली-2 और कांगड़ा के बलदुन नूरपुर में 'उच्च' खतरा बताया गया है। बाकी स्थानों पर 'मध्यम' और कुछ जगहों पर 'निम्न' खतरे का स्तर दर्ज है। सभी इलाकों पर लगातार निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति में फौरन कदम उठाए जा सकें। बीते 24 घंटों में

दिल्ली समेत देश के कई इलाकों में भारी बारिश, आंधी-तूफान का अलर्ट

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली सहित देश के कई इलाकों में भारी बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। इस दौरान आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में उमस और गर्मी से लोगों को परेशान होना पड़ सकता है। आईएमडी के अनुसार आज शाम से रात तक छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है, जबकि कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की भी संभावना है। वहीं बिहार, असम, मेघालय, झारखंड, पश्चिम बंगाल के मैदानी क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और ओडिशा में भी कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश के आसार हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, केरल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, तमिलनाडु, पुडुचेरी और सिक्किम जैसे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में भी भारी बारिश की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान की चेतावनी भी जारी की गयी है। खासतौर पर बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कई हिस्सों में बिजली गिरने के साथ-साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। आंध्र प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, विदर्भ और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में

सबसे ज्यादा बारिश शिमला के जुब्बड़हट्टी में 60 मिमी रिकॉर्ड की गई। बिलासपुर के घुमारवीं, काहू, बिलासपुर सदर, शिमला के सुन्नीभाजी और सोलन के कसौली में भी 30-30 मिमी बारिश हुई है। बारिश और भूस्खलन से पूरे प्रदेश में यातायात, बिजली और पानी की सप्लाई पर बड़ा असर पड़ा है। मंगलवार शाम तक 199 सड़कें बंद पड़ी हैं, 68 बिजली ट्रांसफार्मर बंद हो गए हैं और 171 पेयजल योजनाएं ठप हो गई हैं। सबसे ज्यादा नुकसान मंडी जिले में हुआ है, जहां 141 सड़कें बंद, 61 ट्रांसफार्मर और 142 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। कांगड़ा में 18 और सिरमौर में 11 पेयजल योजनाएं भी काम नहीं कर पा रही हैं।

आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक मानसून के इस दौर में अब तक प्रदेश को करीब 786 करोड़ की संपत्ति का नुकसान हो चुका है। पिछले 25 दिनों में बारिश से जुड़े हादसों में 105 लोगों की मौत हो चुकी है, 35 लापता हैं और 184 घायल हुए हैं। मौतों के मामले में मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां 21 की जान गई है। कांगड़ा में 17, कुल्लू में 11, चम्बा में 9 और हमीरपुर, बिलासपुर व ऊना जिलों में 8-8 लोगों की मौत हुई है। राज्य में अब तक 1046 घर आंशिक या पूरी तरह टूट चुके हैं, 188 दुकानें और 798 गौशालाएं तबाह हो चुकी हैं। अकेले मंडी जिले में ही 856 घर, 166 दुकानें और 644 गौशालाएं प्रभावित हुई हैं। 30 जून की रात मंडी में बादल फटने की 12 घटनाओं ने भारी तबाही मचाई थी।

भारी बारिश से कृषि और पशुपालन को भी बड़ा नुकसान हुआ है। अब तक 21,500 पोल्ट्री के पक्षी और 954 अन्य पशु मारे गए हैं। मानसून में अब तक बादल फटने की 22, अचानक आई बाढ़ की 31 और भूस्खलन की 18 घटनाएं रिकॉर्ड की गई हैं। मंडी के अलावा कांगड़ा और कुल्लू जिलों में भी बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है। सरकार के मुताबिक सबसे ज्यादा नुकसान जल शक्ति विभाग को हुआ है, जिसकी करीब 414 करोड़ की संपत्ति प्रभावित हुई है। लोक निर्माण विभाग को भी लगभग 345 करोड़ का नुकसान हुआ है।

अवैध तरीके धर्मांतरण कराने का मामला

छांगुर के करीबियों पर शिकंजा कसने की तैयारी में ईडी-एटीएस

लखनऊ ■ एजेंसी

बलरामपुर जिले में अवैध धर्मांतरण के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपित जलालुद्दीन उर्फ छांगुर के खिलाफ पीड़ित लड़कियों के लगाए गए सभी आरोपों की जांच शुरू हो गई है। अब ईडी, एटीएस और पुलिस छांगुर के गिरोह के उन करीबियों पर शिकंजा कस रही हैं, जिनकी मदद से उसने करोड़ों की चल-अचल संपत्ति का साम्राज्य खड़ा किया था। ईडी ने अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के अनुसार छांगुर और उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन और उनकी संस्थाओं के 30 से ज़्यादा खातों में 68 करोड़ रुपये से ज़्यादा के लेन-देन का पता चला है। वहीं, उतरौला क्षेत्र में तीन-चार लोग ऐसे पाए गए जो कभी विदेश नहीं गए पर उनके खातों में पैसे आए हैं। ये लोग छांगुर के करीबी हो सकते हैं। एटीएस बैंक स्टेटमेंट के साथ ही अन्य साक्ष्य जुटा रही है। इन पर नजर रखा जा रहा है।

उतरौला के मधपुर गांव में बनी आलीशान कोठी की कीमत 12 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है, जो अवैध कमाई से सरकारी जमीन पर कब्ज़ा कर बनाई गई थी। इसे धवस्त कर दी गई है। इस कार्रवाई में लगे खर्चे को भी आरोपित से वसूलेगी। कोठी का निर्माण करवाने वाले वसीउद्दीन ने पूछताछ में एटीएस को बताया कि निर्माण कार्य वर्ष 2022 में शुरू हुआ था, जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है। पूरी कोठी को खंभों पर खड़ा किया था, ताकि छांगुर उसे अपनी इच्छानुसार कमरों में बांट सके। उसने बताया कि छांगुर ने उनसे कहा था कि वह एक स्कूल खोलना चाहता है। एक अस्पताल भी खोलेगा, लेकिन निर्माण के दौरान उसे देखने आने वाले और उनके कहने के हिसाब से निर्माण कार्य कराये जाने से उन्हें आभास हो गया था कि कोठी किसी गलत काम के लिए बनवाई जा रही है। अब सवाल यह उठ रहा है कि छांगुर ने किसकी मदद से जमीन पर कब्जा करके इतनी आलीशान कोठी बनवायी। राजस्व विभाग अब इस पर भी जांच शुरू कर दी। इतना ही उस ठेकेदार को भी तलब किया जाएगा, जिसको कोठी बनाने का ठेका मिला था।

छांगुर के मददगार नेपाल सीमा पर भी मौजूद

जांच के दौरान पाया गया है कि छांगुर के कई मददगार नेपाल सीमा के पास भी मौजूद हैं। नवीन और नीतू उनसे अक्सर मिलते थे। इन लोगों के भी बैंक खातों की जांच की जा रही है। ईडी छांगुर और नीतू के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं और लव जिहाद के आरोपों की जांच कर रही है। जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, जिनमें हवाला के जरिए लेन-देन और धर्म परिवर्तन के लिए प्रशिक्षण शामिल हैं। ईडी इस मामले में जल्द ही बड़ी कार्रवाई कर सकती है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति पर जताई चिंता

यूएन ■ एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा है कि वैश्विक वकास से जुड़े केवल 35 प्रतिशत सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) ही तय समय तक हासिल होने की दिशा में हैं, जबकि शेष लक्ष्य या तो धीमी गति से आगे बढ़ रहे हैं या पीछे जा रहे हैं। उन्होंने इसे वैश्विक विकास का आपातकाल बताया।

महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने न्यूयॉर्क में सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2025 जारी करते हुए संवाददाता सम्मेलन में उक्त बातें कहीं। उन्होंने बताया कि बीते दस वर्षों में शिक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल पहुंच और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। बाल विवाह में कमी आई है और महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।

उन्होंने साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि 80 करोड़ से अधिक लोग अब भी अत्यधिक गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। लगभग 18 प्रतिशत लक्ष्य पीछे की ओर जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, ऋण संकट और संघर्षों ने विकास की गति को बाधित किया है। महासचिव ने गाजा,

यूक्रेन, सूडान और पश्चिम एशिया में शांति की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

अर्थव्यवस्था और सामाजिक मामलों के अवर महासचिव ली जुनहुआ ने रिपोर्ट के आंकड़ों को प्रस्तुत करते हुए बताया कि 2010 के मुकाबले नए एचआईवी संक्रमण में 40 प्रतिशत की गिरावट आई है और 2000 से अब तक मलेरिया रोकथाम से 1.2 करोड़ जीवन बचाए गए हैं। 2015 से अब तक 11 करोड़ से अधिक बच्चों का स्कूलों में नामांकन हुआ है।

उन्होंने बताया कि विश्व की 92 प्रतिशत आबादी को अब बिजली की पहुंच है और इंटरनेट उपयोग 70 प्रतिशत बढ़ चुका है। लेकिन जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं और महिलाओं की समान भागीदारी जैसे क्षेत्रों में अभी भी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। रिपोर्ट में छह बदलावों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है-खाद्य, ऊर्जा, डिजिटल पहुंच, शिक्षा, रोजगार और जलवायु।

समुद्र पर बना दुनिया का मशहूर कंसाई एयरपोर्ट धीरे-धीरे पानी में समा रहा

टोकियो ■ एजेंसी

दुनियाभर में क्लाइमेट चेंज का असर हो रहा है और इससे जापान भी अछूता नहीं है। जापान के तकनीकी रूप से कल्पनाशील एयरपोर्ट कंसाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर क्लाइमेट चेंज का बड़ा और चिंताजनक प्रभाव देखने को मिला। साल 1994 में बना यह एयरपोर्ट जो दुनिया का पहला पूरी तरह समुद्र के बीच कृत्रिम द्वीपों पर बनाया गया था अब धीरे-धीरे समुद्र के आगोश में समाता जा रहा है।

कंसाई एयरपोर्ट को जिस सॉफ्ट सीबेड पर बनाया गया था वो अब धंस रहा है। बीते तीन दशकों में एयरपोर्ट का पहला द्वीप 13.6 मीटर तक जबकि दूसरा द्वीप 17.47 मीटर तक पानी के नीचे धंस चुका है। आंकड़े बताते हैं कि यह अब भी हर साल 6 सेंटीमीटर तक धंस रहा है जिससे यह विशालकाय एयरपोर्ट धीरे-धीरे समुद्र में समा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंसाई एयरपोर्ट के भविष्य को लेकर विशेषज्ञों

ने गंभीर चेतावनी दी है। यदि इसके पानी में सामने की दर इसी तरह जारी रही तो 2056 तक एयरपोर्ट का कुछ हिस्सा पूरी तरह से समुद्र में समा जाएगा। यह जापान और वैश्विक विमानन उद्योग के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। करीब 20 अरब डॉलर यानी 1.6 लाख करोड़ रुपए की लागत से बने इस एयरपोर्ट का डिज़ाइन मशहूर आर्किटेक्ट रेंजो पियानो ने तैयार किया था। इसका 1.7 किलोमीटर लंबा टर्मिनल-1 दुनिया के सबसे लंबे टर्मिनलों में से एक है। निर्माण के समय इसे भविष्य की ज़रूरतों के अनुरूप बेहद टिकाऊ और लचीला माना गया था, लेकिन अब क्लाइमेट चेंज, समुद्र के बढ़ते स्तर और समुद्री उतार-चढ़ाव इसके सामने नई चुनौतियां बन रहे हैं। इस एयरपोर्ट के बुनियादी ढांचे की कमजोरियां सबसे पहले 2018 में टाइफून जेबी के दौरान उजागर हुई जब कंसाई एयरपोर्ट पूरी तरह से पानी में डूब गया था। इस घटना के बाद 150 मिलियन डॉलर यानी करीब 1200 करोड़ रुपए का एक विशाल बचाव अभियान शुरू किया गया था।

प्रशासन ने भारी बारिश के मद्देनजर सभी पांच उपनगरों में बाढ़ की चेतावनी जारी

न्यूयॉर्क और पांच उपनगरों में तूफान से तबाही, न्यू जर्सी में आपातकाल

न्यूयॉर्क ■ एजेंसी

संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क और पांच उपनगरों में तूफान से भारी तबाही हुई है। सब-वे और राजमार्गों पर पानी भर गया है। प्रशासन ने भारी बारिश की सभी पांच उपनगरों में बाढ़ की चेतावनी जारी की। न्यू जर्सी के गवर्नर फिलिप डी. मर्फी ने हालात के मद्देनजर आपातकाल की घोषणा की।

खबर के अनुसार, सोमवार रात न्यूयॉर्क शहर और उसके उपनगरों में भारी बारिश हुई है। इससे मेट्रो सिस्टम के कुछ हिस्सों में पानी भर गया। प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं। इसका असर विमानों के आगमन और प्रस्थान पर भी पड़ा। धीमी

गति के इस तूफान ने मध्य-अटलांटिक के बड़े हिस्से को पानी-पानी कर दिया। इस वजह से मध्य वर्जीनिया से न्यूयॉर्क शहर तक अचानक बाढ़ आ गई। बाढ़ का पानी मेट्रो ट्रेन के डिब्बों में घुस गया। इस दौरान वाहन जलमग्न हो गए। बाढ़ के पानी ने एक पेट्रोल पंप के ईंधन पंपों को तहस-नहस कर दिया। मौसम विज्ञानी जो वेगमैन ने बताया कि कुछ इलाकों में सात इंच तक बारिश हुई। सोमवार देर रात तूफान कमजोर पड़ गया। सोमवार रात राष्ट्रीय मौसम सेवा ने न्यूयॉर्क के सभी पांच उपनगरों में बाढ़ की चेतावनी जारी की। आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को ऊंचे स्थानों पर जाने के लिए आगाह किया। न्यूयॉर्क शहर के आपातकालीन प्रबंधन विभाग के अनुसार, क्वींस के रिचमंड हिल इलाके में बिजली गुल होने से लगभग 1,000 लोग प्रभावित हुए। मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी ने रात लगभग 11 बजे से पहले बताया कि मैनहट्टन में कई सब-वे स्टेशनों में पानी भर जाने के कारण निलंबित की गई 1, 2 और 3 सब-वे लाइनों पर सेवा बहाल कर दी गई है। एमटीए ने बताया कि स्टेटन आइलैंड रेलवे ने भी दोनों दिशाओं में परिचालन फिर से शुरू कर दिया है। इस दौरान एमटीए ने ग्रैंड सेंट्रल स्टेशन से आने-जाने वाली हार्लेम और न्यू हेवन रेल लाइनों पर देरी और संभावित निलंबन की चेतावनी दी।

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन अब संयुक्त राज्य अमेरिका के शिक्षा विभाग में अपने हिसाब से छंटनी कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने फैसले में ट्रंप प्रशासन को शिक्षा विभाग में बड़े पैमाने पर छंटनी की योजना को अनुमति प्रदान कर दी। इस योजना पर पहले एक संघीय न्यायाधीश ने रोक लगा दी थी। रूढ़िवादी बहुमत वाली शीर्ष अदालत ने बिना किसी स्पष्टीकरण के प्रशासन की आपातकालीन अर्जी को स्वीकार कर लिया।

मलाई से घी बनाते समय कमरे में फैली बदबू को इन हैक्स से करें दूर, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए घी बहुत ही अच्छा माना जाता है। भारतीय घरों में घी का खूब इस्तेमाल होता है। मार्केट में सबकुछ मिलावटी मिलने लगा है। मिलावटी और नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। इस कारण आज भी बहुत सारे घरों में खुद से मलाई से घी तैयार किया जाता है। लेकिन जब घी बनाया जाता है, तो इसकी गंध बहुत तेज निकलती है। इसकी महक इतनी ज्यादा तेज होती है कि घर में दम घुटने लगे।

ऐसे में अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घी बनाने के दौरान आने वाली बदबू को कैसे दूर किया जा सकता है।

इस चीज से दूर होगी घी की बदबू

घी से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए जब भी आप घी बनाएं, तो एक गिलास में सिरका भरकर गैस के बगल में रख दें। सिरका एक नेचुरल स्मेल ऑब्जर्वर की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद गंध को सोख लेता है। यह घी की तेज गंध को रोकने में सहायता करता है।

विनेगर

विनेगर में एसिटिक एसिड मौजूद होता है, जोकि हवा में मौजूद पार्टिकल्स को न्यूट्रलाइज करने का काम करता है। यह बदबू को खत्म करता है, जोकि रसोई में बहुत काम आ सकता है। इससे न सिर्फ घी की बल्कि अन्य कई तरह की दूसरी बदबू भी दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें बदबू

इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी घी की बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप किचन में एसेंशियल ऑयल भी रख सकते हैं, इससे भी महक दूर होगी।

बता दें कि घी की महक को दूर करने के लिए इसको बनाने के दौरान किचन की खिड़की को खुला रखें। साथ ही एग्जॉस्ट फैन को भी ऑन रखें।

रोज सुबह की ये चार आदतें किडनी को रखेंगी हेल्दी, आज ही रूटीन में करें शामिल

जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

किडनी हमारे शरीर के सबसे जरुरी अंगों में से एक है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, चयापचय प्रक्रियाओं को संतुलित करने और खून को साफ करने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है। वही शरीर में ऊर्जा का सही संतुलन बना रहता है। वहीं आजकल की अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण, गलत खानपान और स्ट्रेसफुल लाइफस्टाइल की वजह से किडनी पर अधिक बोझ पड़ता है। वहीं डिटॉक्स प्रोसेस से इन अंगों को आराम मिलता है और वह अपनी कार्यक्षमता को भी बनाए रख पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सुबह की चार ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको डेली रूटीन में शामिल करके आप किडनी को डिटॉक्स करके स्वस्थ रख सकते हैं।

गुनगुने पानी में नींबू डालकर पिएं – सुबह उठते ही खाली पेट गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पीने से लिवर डिटॉक्स करने में सहायता मिलती है। नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जोकि किडनी को शुद्ध करने और पाचन में सुधार का काम करते हैं। सुबह की यह आदत शरीर हाइड्रेटेड रखने में सहायता करती है।

ग्रीन टी या हर्बल टी पिएं – सुबह के समय आप चाय या कॉपी भी जगह हर्बल टी या फिर ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं। ग्रीन टी में कैटेचिन्स पाए जाते हैं, जो किडनी की सफाई करने में सहायता करते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। डेंडेलियन या तुलसी की चाय किडनी की सफाई में भी फायदेमंद साबित हो सकती है।

फल खाएं – सुबह के समय नाश्ते में पानी से भरपूर फल जैसे खीरा, तरबूज, अंगूर या संतरा आदि का सेवन करना चाहिए। यह फल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं और किडनी से विषाक्त पदार्थों को निकालने में भी सहायता करते हैं। फलों में मौजूद नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स किडनी की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं।

डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें – बता दें कि सुबह की शुरूआत योग और गहरी सांस लेने वाली एक्सरसाइज से करनी चाहिए। डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करने से बॉडी में ऑक्सीजन लेवल बढ़ता है, साथ ही यह विषाक्त पदार्थों को निकालने में सहायता करता है। गहरी सांस लेने से अंगों को डिटॉक्स होने में सहायता मिलती है। इसके अलावा आप धनुरासन, भुजंगासन और कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं, यह किडनी के लिए फायदेमंद होते हैं।

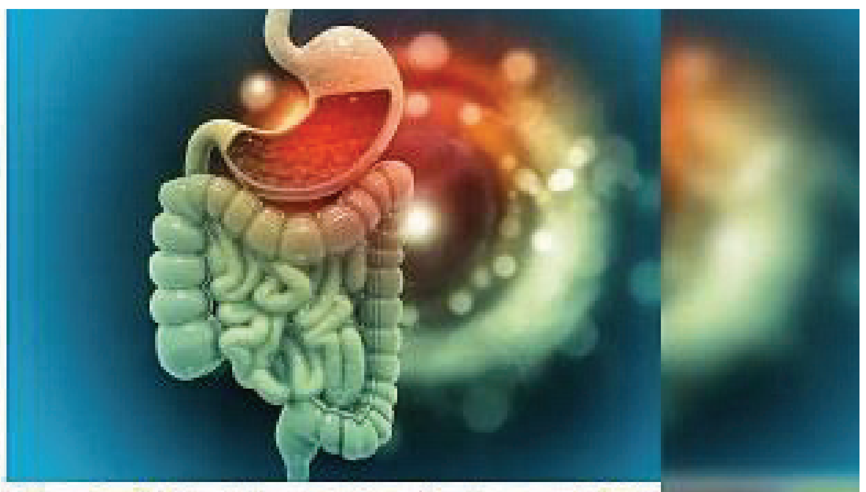

बारिश के मौसम ये गलती ना कर बैठना ये खाते ही पेट हो जाएगा खराब

मॉनसून का मौसम हर किसी को बहुत पसंद होता है। बारिश की ठंडी बूंदें, हरियाली और ठंडी हवा का आनंद सबको भाता है। लेकिन मॉनसून के मौसम में खाने-पीने को लेकर थोड़ा सावधानी बरतनी बहुत जरूरी होती है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि नमी और ठंडक की वजह से बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। ऐसे में कुछ खास फूड्स ऐसे होते हैं जिन्हें मॉनसून में बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए, वरना सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है।

आज हम आपको मॉनसून में न खाने वाले पांच फूड्स के बारे में बताएंगे, ताकि आप इस बारिश के मौसम का मज़ा लें और बीमारियों से बच सकें।

बाहर का खाना

मॉनसून में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए। खासकर सड़क किनारे मिलने वाले पकौड़े, समोसे, पकोड़े और अन्य स्नैक्स में नमी की वजह से बैक्टीरिया पनप सकते हैं। बारिश के कारण सड़कें गीली और कीचड़ से भरी होती हैं, जिससे भोजन में गंदगी आसानी से लग जाती है। इससे खाना तुरंत खराब हो सकता है और खाने के बाद पेट में दर्द, एसिडिटी, उल्टी-दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं। अगर बाहर खाना हो भी तो हमेशा साफ-सफाई का ध्यान रखें और सुनिश्चित करें कि खाना ताजा और गर्म हो। घर पर ही ताजा और साफ-सुथरा खाना बनाएं और खाएं।

पके हुए फल और कटे हुए सलाद

मॉनसून में खुले में रखे कटे हुए फल और सलाद बिल्कुल न खाएं। बारिश की नमी और हवा में मौजूद कीटाणु इन फलों और सलादों पर जल्दी लग जाते हैं। ऐसे फल और सलाद अगर ठीक से धोएं नहीं जाते हैं तो उनमें बैक्टीरिया और कीड़े-पतंगे आसानी से पहुंच जाते हैं। इससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है, जिसके कारण उल्टी, दस्त, और पेट दर्द हो सकता है। फलों को अच्छे से धोकर छीलकर ही खाएं। सलाद को ताजा बनाएं और घर पर ही साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। अगर बाहर खाने का मन हो तो पैकेज्ड और अच्छे तरीके से पैक किए गए फल या सलाद लें।

डेयरी प्रोडक्ट्स (दूध, पनीर, दही)

मॉनसून में दूध और उससे बने उत्पादों के सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए। बारिश के मौसम में दूध जल्दी खराब हो जाता है, जिससे उसमें बैक्टीरिया का विकास होता है। खराब दूध पीने से पेट में इंफेक्शन, दस्त और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पनीर और दही भी यदि ठीक से स्टोर न किया जाए तो इससे भी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सभी डेयरी प्रोडक्ट्स को ठंडे और साफ वातावरण में रखें। अगर आपको दूध खरीदना हो तो फ्रिज में ठंडा दूध लें और तुरंत इस्तेमाल करें। पनीर और दही भी हमेशा फ्रिज में रखें और पुराना सामान न खाएं।

तली हुई और ज्यादा मसालेदार चीजें

मॉनसून में तला हुआ और ज्यादा मसालेदार खाना खाने से बचें। बारिश के मौसम में पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और भारी तले हुए भोजन से पेट में भारीपन, एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। मसालेदार खाना भी कई बार पेट की परेशानी को बढ़ा देता है। मॉनसून में हल्का और पौष्टिक खाना खाएं। ज्यादा तेल-मसाले वाली चीजों से बचें। आप उबला हुआ खाना, सूप, दलिया, और सब्जियां ज्यादा खाएं ताकि आपकी पाचन क्रिया ठीक रहे।

बासी और खराब खाना

बारिश के मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है। अगर आप बासी खाना खा लेते हैं तो आपको बहुत सारी बीमारियां हो सकती हैं। बासी खाना खाने से पेट में संक्रमण हो सकता है, उल्टी-दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मॉनसून में खास तौर पर खाने को अच्छे से ढक कर रखना चाहिए। खाना ताजा बनाएं और तुरंत खाएं। बचा हुआ खाना फ्रिज में रखें और दोबारा इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह गर्म करें। बासी खाना बिल्कुल न खाएं।

मॉनसून में सुरक्षित रहने के लिए कुछ अन्य टिप्स

मॉनसून में हमेशा साफ-सफाई का खास ध्यान रखें।

खाने से पहले और बाद में हाथ धोएं।

भरपूर पानी पिएं, लेकिन बाहर के खुले पानी से बचें।

ताजा और अच्छी क्वालिटी के फलों और सब्जियों का सेवन करें।

अपने आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखें ताकि मच्छरों और कीटाणुओं का प्रकोप न हो।

मौसम के अनुसार अपनी डाइट में बदलाव करें और भारी भोजन से बचें।

मॉनसून का मौसम तो बहुत ही खूबसूरत होता है, लेकिन साथ ही यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी थोड़ा संवेदनशील होता है। इस मौसम में खाना-पीना लेकर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। ऊपर बताई गई पांच चीजें मॉनसून में बिल्कुल न खाएं ताकि आप बीमारियों से बच सकें और स्वस्थ रह सकें। हमेशा ताजा, साफ और संतुलित भोजन करें ताकि यह मौसम आपके लिए खुशियों और सेहत से भरा रहे।

मानसून हेल्थ टिप्स: बारिश के मौसम में कैसी होनी चाहिए डाइट?

मानसून की शुरुआत देश के कई हिस्सों में हो चुकी है। बारिश के इस मौसम में मौसम तो खुशनुमा होता है, लेकिन साथ ही यह बीमारियों का खतरा भी साथ लाता है। ऐसे में सेहत का खास ध्यान रखना जरूरी होता है, खासकर हमारी डाइट यानी खाने-पीने की आदतों का।

बारिश के कारण जगह-जगह गंदा पानी जमा हो जाता है, जिससे मच्छर पनपते हैं और डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, इस मौसम में हवा में नमी होती है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। ऐसे में खासतौर पर कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

हल्का और घर का बना खाना खाएं

मानसून के समय भारी और तले-भुने खाने से बचना चाहिए। जंक फूड या ओवरऑयली खाना खाने से फूड पॉइजनिंग, गैस, कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में आप लौकी, करेला, टिंडा, तोरी, और दलिया जैसी हल्की चीजें खाएं। ये ना सिर्फ पचने में आसान होती हैं, बल्कि इम्युनिटी भी बढ़ाती हैं।

मौसमी फल जरूर खाएं

बारिश के समय मिलने वाले फ्रेश फल जैसे – आम, संतरा, तरबूज, खरबूजा खाने से शरीर को जरूरी पोषण और विटामिन्स मिलते हैं। ये फल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को मजबूत करते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें

मानसून में ठंडे ड्रिंक्स या कोल्ड ड्रिंक पीने से गला खराब, जुकाम, खांसी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप गर्म पानी, हल्दी वाला दूध, अदरक-तुलसी का काढ़ा, या हर्बल चाय पिएं। इससे शरीर हाइड्रेट भी रहेगा और इन्फेक्शन से बचाव भी होगा।

प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करें

इस मौसम में पाचनतंत्र का ख्याल रखना जरूरी है। दही और छाछ जैसे प्रोबायोटिक फूड्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। ये पाचन क्रिया सुधारते हैं और आपकी गट हेल्थ को मजबूत करते हैं।

जंक फूड और स्ट्रीट फूड से दूरी बनाएं

बरसात में गंदगी और नमी के चलते बाहर के खाने में अक्सर हाइजीन की कमी होती है। इसलिए स्ट्रीट फूड, कटे-फटे फल, और बासी खाने से बचें। इससे फूड पॉइजनिंग और संक्रमण का खतरा हो सकता है।मानसून का मौसम भले ही सुहावना हो, लेकिन सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप साफ-सुथरा, हल्का और पोषक खाना खाएं। इम्युनिटी को मजबूत रखें और फालतू के खाने से दूरी बनाएं।

संक्षिप्त समाचार

गांगुली से प्रेरित थे आर्चर: स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि तीसरे टेस्ट से वापसी करने वाले तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली द्वारा लार्ड्स की बालकनी में शर्ट लहराने की घटना से प्रभावित थे। गांगुली ने साल 2002 में नेटवेस्ट ट्रॉफी में जीत के बाद जश्न के दौरान अपनी शर्ट लहरा दी थी। स्टोक्स ने कहा कि आर्चर इससे काफी प्रेरित थे और इसी कारण चार साल बाद भी वापसी के दौरान उनका प्रदर्शन ठीक रहा। आर्चर ने तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर के विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। स्टोक्स ने 22 रनों से मिली जीत के बाद कहा, 'मैंने आज सुबह उससे कहा, तुम्हें पता है कि आज क्या है। पता है ना।

शुभमन को ऋषभ के चौथे टेस्ट तक फिट होने की उम्मीद

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल को उम्मीद है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 23 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच में खेल सकेंगे। ऋषभ को लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान अपनी बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लग गयी थी। जिसो बाद उनकी जगह पर ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की थी। शुभमन ने कहा कि उनके स्कैन में कोई गंभीर चोट नहीं पाई गई है, इससे हमें उनके फिट होने की उम्मीद है। ऋषभ इस सीरीज में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने छह पारियों में 70.83 की औसत से 425 रन बनाए हैं। तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान जब 34वां ओवर चल रहा था, तब जसप्रीत बुमराह की लेग-साइड की एक गेंद को पकड़ने के प्रयास में उनकी उंगली में गेंद लग गई थी।

वेस्टइंडीज को 27 रनों पर समेट कर ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से सीरीज जीती

किंग्स्टन। तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड की घातक गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच की दूसरी पारी में केवल 27 रनों पर ही आउट कर 3-0 से सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। वहीं इस मैच में मेजबान टीम की 176 रनों से करारी हार के साथ ही उसके नाम टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे कम स्कोर दर्ज हुआ है। इससे पहले, मार्च 1955 में न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ 26 रन पर ही आउट हो गयी थी।

एशिया कोर्फबाल चैंपियनशिप में दिखेगा जलबा

हिमाचल की सात बेटियों को मिली टीम इंडिया में जगह

बिलासपुर/जाहू (हमीरपुर), एजेंसी। हिमाचल की सात बेटियां 11वीं एशियन वुमन यूथ हैंडबाल चैंपियनशिप में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय टीम 15 जुलाई को चीन के लिए रवाना होगी। कनिष्का के नेतृत्व में टीम इंडिया चीन के जिंगगांगशान शहर में होने वाली प्रतियोगिता में दम दिखाएंगी।

चीन में 18 से 27 जुलाई तक होने वाली 11वीं एशियन वुमन यूथ हैंडबाल चैंपियनशिप में भारतीय युवा महिला टीम की कप्तानी का जिम्मा बिलासपुर की कनिष्का को पहली बार सौंपा गया है। कनिष्का के साथ हिमाचल की सात बेटियां टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय टीम 15 जुलाई को चीन के लिए रवाना होगी। कनिष्का के नेतृत्व में टीम इंडिया चीन के जिंगगांगशान शहर में होने वाली प्रतियोगिता में दम दिखाएंगी। टीम में हिमाचल की सात खिलाड़ी शामिल हैं।

इन होनहार बेटियों ने गुजरात के गांधीनगर में आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में खुद को साबित किया। 70 संभावित खिलाड़ियों में से पहले 28 को शॉर्टलिस्ट किया गया और फिर उनमें से 18 का फाइनल चयन हुआ। हिमाचल

की ये सात खिलाड़ी अंतिम टीम में जगह बनाने में सफल रहीं। भारतीय टीम की कप्तान और पिवोट कनिष्का, गोलकीपर नेहा चौहान, लेफ्ट बैक शिवानी देवी, लेफ्ट विंग रिद्धिमा, राइट बैक मुस्कान, सेंटर बैक गारिमा, राइट विंग शिक्षा शामिल हैं। सभी खिलाड़ी मोरसिंघी हैंडबाल नर्सरी की हैं।

हैंडबाल कोच स्नेहलता ने बताया कि ये सभी खिलाड़ी मोरसिंघी हैंडबाल नर्सरी से प्रशिक्षित हैं। खिलाड़ियों ने हर तकनीकी और मानसिक तैयारी का शिविर में बखूबी प्रदर्शन किया। उन्हें उम्मीद है कि भारतीय टीम चैंपियन बनकर देश का परचम एशियन चैंपियनशिप में लहराएगी। टीम के साथ मुख्य कोच सचिन चौधरी, कोच मनीषा विनॉय, नवीन पुनिया और फिजियोथेरेपिस्ट मोनिका शर्मा भी रवाना होंगी।

चीन के लेशान में 15 से 20 जुलाई तक होने वाली एशिया कोर्फबाल चैंपियनशिप में प्रदेश के छह खिलाड़ियों को भारतीय टीम में जगह मिली है। यही नहीं, भारतीय टीम के कोच भी हिमाचल से ही हैं। भारतीय कोर्फबाल संघ की ओर से घोषित टीम में बिलासपुर के दधोल स्कूल से कनिष्का ठाकुर, हर्ष राणा, राधिमा जसवाल और साक्षी, शूलिनी विश्वविद्यालय सोलन से मिली और शिमला से नव्या को शामिल किया गया है। इन युवाओं का चयन भारतीय कोर्फबाल टीम के लिए एक बड़ा मुकाम है।

भारतीय टीम को हिमाचल के विनोद ठाकुर प्रशिक्षण दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फगवाड़ा में 6 से 12 जुलाई तक गहन प्रशिक्षण दिया गया। सभी खिलाड़ियों को कोर्फबाल के अंतरराष्ट्रीय नियमों और तकनीकों में दक्ष बनाया गया है। टीम को रविवार शाम अखिल भारतीय कोर्फबाल संघ के अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा और पदाधिकारियों ने रवाना किया। प्रतियोगिता के बाद भारतीय टीम 21 जुलाई को स्वदेश लौटेगी।

टोक्यो में जापान बैडमिंटन ओपन के महिला वर्ग में पोलिना बुहरोवा रिटर्न शॉट लगाती हुई।

क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगी

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को क्रिकेटर यश दयाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए यौन शोषण के आरोप में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट की पीठ ने इस क्रिकेटर की उस याचिका पर यह आदेश पारित किया जिसमें उन्होंने मामले में अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने और प्राथमिकी रद्द करने का अनुरोध किया था। इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि अदालत ने यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है। इससे पहले एक युवती ने इस क्रिकेटर के खिलाफ शारीरिक ओर मानसिक शोषण के मामले में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। इसमें कहा गया था कि इस क्रिकेटर ने शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया। इस युवती के अनुसार वह इस क्रिकेटर के साथ पांच साल से रिलेशनशिप में थी और इस दौरान उसने शादी का वादा किया था पर बाद में उसने धोखेबाजी कर दी। गाजियाबाद जिले के इंदिरापुरम थाना में शिकायत दर्ज की गई थी जिसमें इसयुवती ने यश दयाल पर यौन शोषण का भी आरोप लगाया था। इस युवती ने यह भी दावा किया है कि क्रिकेटर यश दयाल शादी करने का उसका प्रस्ताव टालता रहा और अंत में उसे पता चला कि यश दयाल का अन्य महिलाओं के साथ भी संबंध है। इस मामले की शिकायत पहले उसने मुख्यमंत्री के ऑनलाइन शिकायत निपटान पोर्टल पर की थी।

जिला स्तरीय खेल महोत्सव, खिलाड़ियों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

स्टेडियम की टीम बनी हॉकी की विजेता

अलीगढ़, एजेंसी। जिला स्तरीय खेल महोत्सव में विभिन्न विद्यालयों एवं खेल संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्टेडियम अलीगढ़ की टीम ने नवाब सिंह चौहान ग्रामोदय इंटर कॉलेज की टीम को हॉकी में हरा दिया।

खेल महोत्सव में जिले भर से विभिन्न विद्यालयों एवं खेल संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिला स्तरीय जूनियर बालक वर्ग की हॉकी प्रतियोगिता में स्टेडियम, विनीत इंटर कॉलेज, एसकेडी इंटर कॉलेज, नेशनल पब्लिक स्कूल, ईरम पब्लिक स्कूल, जीवनगढ़ और नवाब सिंह चौहान ग्रामोदय इंटर कॉलेज की टीम ने हिस्सा लिया। फाइनल में स्टेडियम अलीगढ़ की टीम ने नवाब सिंह चौहान ग्रामोदय इंटर कॉलेज की टीम को हरा दिया। निर्णायक दलवीर सिंह, वंदना सिंह, संगीत सिंह, शैलेश यादव, हॉकी कोच लोकेश कांत और मुनेश कुमार रहे।

ऊंची कूद: भारोत्तोलन बालक वर्ग के 49 किलो ग्राम वर्ग में शीतू प्रथम, गौतम द्वितीय व

मनीष तृतीय रहे। 55 किलो ग्राम वर्ग में हिमांशु सिंह, सूरज व लोकेश बघेल क्रमश: पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। 61 किलो ग्राम वर्ग में हरीश कुमार, नकुल व राम किशन, 67 किलो ग्राम वर्ग में रवि शंकर, रंजीत सिंह व नैतिक चौरसिया पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। 73 किलो ग्राम वर्ग में आकाश पुंडीर प्रथम व मनोज कुमार तृतीय रहे। 81 किलो ग्राम वर्ग में प्रशांत कुमार प्रथम, 89 किलो ग्राम वर्ग में यश वर्मा व 102 किलो ग्राम वर्ग में प्रखर सैनी प्रथम रहे। निर्णायक मीनाक्षी रानी गौड़, सोनू प्रसाद, अनिल कुमार पाल, दुष्यंत कुमार, नरेश कुमार रहे। ऊंची कूद बालक वर्ग में अश्वनी, विपिन व ध्रुव, बालिका वर्ग में जिज्ञासा, प्रेमलता व अनेक क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहीं। भाला फेंक बालक वर्ग में अरुण चौधरी, योगेश कुमार, प्रिंस कुमार, बालिका वर्ग में जिज्ञासा, आरुषि चौधरी व राशि सारस्वत, गोला फेंक बालक वर्ग में सौरभ, लोकेश, राज दीक्षित, बालिका वर्ग में भावना कुमारी, प्रेमलता व शिवानी क्रमश: पहले, दूसरे व तीसे स्थान पर रहीं।

व्यापार समाचार

रिलायंस ने नेपाल में लांच किया 'कैम्पा' ब्रांड

नई दिल्ली। लायंस इंडस्ट्रीज की उपभोक्ता इकाई रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने अपने लोकप्रिय शीतल पेय ब्रांड 'कैम्पा' को नेपाल में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसके लिए नेपाल के एक अग्रणी कारोबारी के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। हाल ही में जारी एक संयुक्त बयान में दोनों कंपनियों ने घोषणा की कि यह साझेदारी नेपाल के बाजार में 'कैम्पा' को सफलतापूर्वक स्थापित करने के उद्देश्य से की गई है। इस पहल के माध्यम से रिलायंस नेपाल में अपने उपभोक्ता उत्पादों की उपस्थिति को मजबूत करना चाहती है। आरसीपीएल के कार्यकारी ने कहा कि हम चौधरी ग्रुप के साथ साझेदारी कर नेपाल में प्रवेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं।

नैसकॉम ने लॉन्च किया 'यूएस सीईओ फोरम'

न्यूयॉर्क। भारत-अमेरिका के बीच प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत बनाने के उद्देश्य से उद्योग संगठन नैसकॉम ने 'नैसकॉम यूएस सीईओ फोरम' की शुरुआत की है। इस मंच का उद्घाटन हाल ही में न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में किया गया। इस मंच का उद्देश्य दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग, नवाचार और प्रतिभा विकास को बढ़ावा देना है। यह भारत और अमेरिका के अग्रणी प्रौद्योगिकी उद्योगपतियों और नीति निर्माताओं को एक साझा मंच प्रदान करेगा, जहां वे रणनीतिक संवाद और साझेदारी के नए अवसरों पर विचार-विमर्श कर सकेंगे। कॉग्निजेंट के सीईओ रवि कुमार को इस मंच का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज के सीईओ और प्रबंध निदेशक अमित चड्ढा सह-अध्यक्ष होंगे।

टेस्ला मॉडल वाय भारत में लॉन्च, कीमत 60 लाख से शुरू

नई दिल्ली। अमेरिका की प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी टेस्ला ने आखिरकार अपनी लोकप्रिय एसयूवी मॉडल वाय को भारत में आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को अपनी वेबसाइट पर भारत के लिए कीमतों की घोषणा की, जिससे स्पष्ट हो गया कि अब भारतीय ग्राहक टेस्ला की गाड़ियां खरीद सकते हैं। भारत में टेस्ला के इस मॉउल को दो वेरिएंट्स में पेश किया गया है। पहला वेरिएंट रियर व्हील ड्राइव है, जिसकी कीमत 60 लाख रखी गई है। वहीं दूसरा वेरिएंट लांग रेंज रियर व्हील ड्राइव है, जिसकी कीमत 68 लाख तय की गई है। ये दोनों कीमतें एक्स-शोरूम हैं और केवल कैश पेमेंट के लिए मान्य हैं।

आईएसएमए ने इथेनॉल आयात पर प्रतिबंध जारी रखने की मांग की

घरेलू उद्योग और किसान हितों पर दिया जोर

नई दिल्ली, निप्र। आईएसएमए ने सरकार से इथेनॉल के आयात पर प्रतिबंध को बरकरार रखने की मांग की है। संघ ने चिंता जताई है कि अगर प्रतिबंध को हटाया तो किसानों के साथ-साथ घरेलू क्षमता निर्माण, निवेश और रोजगार सृजन में होने वाले लाभ को भी नुकसान पहुंच सकता है। भारतीय चीनी और जैव-ऊर्जा निर्माता संघ (आईएसएमए) ने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को इथेनॉल के विषय पर पत्र लिखा है। उन्होंने भारत के अमेरिका के साथ चल रही व्यापार चर्चाओं के बीच ईंधन मिश्रण के लिए इथेनॉल के आयात पर प्रतिबंधों को हटाने की संभावना के बारे में चिंता व्यक्त की है। पत्र में आईएसएमए ने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और भारतीय किसानों के हितों के लिए इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया है।

राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति ने निभाई अमह भूमिका: आईएसएमए ने कहा कि सरकार की स्पष्ट नीतिगत दिशा,

जो राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति (2018) पर आधारित है। 21 अगस्त 2018 की डीजीएफटी अधिसूचना द्वारा ईंधन के रूप में इथेनॉल के आयात को प्रतिबंधित श्रेणी में रखे जाने से मजबूत हुई है। देश में आत्मनिर्भर इथेनॉल अर्थव्यवस्था के निर्माण में अहम भूमिका निभा रही है। ब्याज सबवेंशन योजनाओं और अनुकूल विनियामक वातावरण ने देशभर में स्वदेशी एथनॉल उत्पादन क्षमता की स्थापना और विस्तार को प्रोत्साहन दिया है।

इन पहलों के जरिए अनेक राष्ट्रीय उद्देश्यों को प्राप्त हुए हैं। इनमें गन्ना किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करना और उनकी आय बढ़ाना, कच्चे तेल के आयात पर भारत की निर्भरता कम करना, और स्वच्छ एवं सतत जैव ईंधनों को बढ़ावा देना शामिल है।

2018 से इथेनॉल उत्पादन क्षमता में 140 प्रतिशत वृद्धि हुई: इसके परिणास्वरूप 2018 से भारत की इथेनॉल उत्पादन क्षमता में 140 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इसमें 40,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है। इथेनॉल मिश्रण पहले ही 18.86 प्रतिशत तक पहुँच चुका है । र देश चालू इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) के भीतर 20 प्रतिशत मिश्रण लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर है, जो कि प्रारंभिक 2025-26 ईएसवाई लक्ष्य से पहले है।

प्रतिबंध हटाने से कई पहलों को होगा नुकसान: इस्मा ने चेताया कि ईंधन इथेनॉल आयात को खोलने से किसानों के भुगतान की प्रकिया में बाधा आ सकती है, क्योंकि इथेनॉल की कीमतों सीधे गन्ना के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (स्नत्रक्क) से जुड़ी होती हैं। इससे घरेलू क्षमता निर्माण, निवेश और रोजगार सृजन में होने वाले लाभ को भी नुकसान पहुंच सकता है।

संघ ने आशंका जताई कि अगर आयात को बढ़ावा दिया गया, तो देश के एथनॉल संयंत्रों की क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो पाएगा, जिससे भारत की हरित ईंधन क्षेत्र में ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को भी खतरा हो सकता है। इन चिंताओं के मद्देनजर आईएसएमए ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से अनुरोध किया है कि वह ईंधन मिश्रण के लिए इथेनॉल आयात पर वर्तमान प्रतिबंध को बरकरार रखा जाए।

भारत निभा रहा अग्रणी भूमिका, हरदीप पुरी बोले

वैश्विक तनाव के बीच ऊर्जा आपूर्ति स्थिर

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद वैश्विक स्तर पर पर्याप्त ऊर्जा संसाधन उपलब्ध हैं। साथ ही उन्होंने वैश्विक ऊर्जा मंचों में भारत की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया।

मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर्याप्त है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह बात कही। पुरी ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच ऊर्जा सुरक्षा के बारे में चिंताओं पर बात की। उन्होंने कहा कि कई चीजें है जो कच्चे तेल की कीमतों पर असर डालती हैं। लोग कहते हैं कि अगर कहीं सैन्य संघर्ष होता है, तो इसका असर होगा। कई सैन्य संघर्ष होते हैं, फिर भी कीमतें 65 से 70 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहती हैं।

ओपेक सेमिनार का किया जिक्र: केंद्रीय मंत्री ने वैश्विक ऊर्जा मंचों में भारत की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया, खासतौर पर यह बताते हुए कि देश ने हाल ही में पहली बार ओपेक सेमिनार में भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह मूल रूप से ओपेक देशों की एक बैठक है। अब जबकि हम दुनिया में कच्चे तेल के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक हैं, तो हमारा वहां उपस्थित होना स्वाभाविक है।

जियोथर्मल ऊर्जा को भारत के पोर्टफोलियो में शामिल करने की योजना: पेट्रोलियम मंत्री ने हाल ही में ऑस्ट्रिया, आइसलैंड और नॉर्वे की यात्रा पूरी की, जिसका उद्देश्य ऊर्जा साझेदारियों को मजबूत करना और इस क्षेत्र में नए अवसरों की तलाश करना था।

आइसलैंड की यात्रा के दौरान पुरी ने जियोथर्मल ऊर्जा सहयोग की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आइसलैंड जियोथर्मल के मामले में बहुत मजबूत है और हम उनका लगातार सहयोग कर रहे हैं। वहां निजी क्षेत्र से बातचीत करने का फायदा यह होता है कि भविष्य में किए जा सकने वाले काम की पहचान हो सकेगी।

पुरी ने इंडिया एनर्जी वीक के उल्लेखनीय विकास पर प्रकाश डाला, जिसकी शुरुआत तीन साल पहले हुई थी। अब यह अबू धाबी स्थित एडीआईपीईसी के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऊर्जा मंच बन गया है। उन्होंने बताया, एडीआईपीईसी तेल और गैस से संबंधित है, जबकि हम जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन सहित सभी प्रकार की ऊर्जा से संबंधित हैं। उन्होंने इस मंच का विस्तार जियोथर्मल ऊर्जा को शामिल करने की योजना का भी उल्लेख किया।

वित्तीय वर्ष 25 में 9.7 प्रतिशत की वृद्धि, आईएसएफ ने जारी किए आंकड़े

फ्लेक्सी स्टाफिंग से जुड़े 1.39 लाख नए कर्मचारी

नई दिल्ली, निप्र। भारतीय स्टाफिंग फेडरेशन की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद घरेलू फ्लेक्सी स्टाफिंग उद्योग ने पिछले वित्त वर्ष में नए रोजगार में 9.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की। उद्योग ने वित्त वर्ष 2025 में 1.39 लाख नए औपचारिक फ्लेक्सी श्रमिकों को जोड़ा।

घरेलू फ्लेक्सी स्टाफिंग उद्योग ने पिछले वित्त वर्ष में नए रोजगार में 9.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की है। भारतीय स्टाफिंग फेडरेशन (आईएसएफ) ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

फ्लेक्सी-स्टाफिंग क्या है?: फ्लेक्सी-स्टाफिंग एक ऐसी रोजगार

व्यवस्था है, जिसमें कर्मचारियों को स्थायी नहीं बल्कि अस्थायी, अनुबंध या परियोजना आधारित आधार पर काम पर रखा जाता है। इसमें काम की अवधि, कार्य के घंटे, और अनुबंध की शर्तें लचीली होती हैं। भारत में फ्लेक्सी-स्टाफिंग का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, खासकर आईटी, ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स, मैन्युफैक्चरिंग और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में। कंपनियां बिजनेस की अनिश्चितताओं से निपटने और लागत नियंत्रित रखने के लिए इस मॉडल को अपना रही हैं।

वित्त वर्ष 2025 में 1.39 लाख नए श्रमिकों को जोड़ा: आईएसएफ ने एक रिपोर्ट में कहा कि भू-राजनीतिक परिदृश्यों और व्यापार युद्धों के कारण वित्त वर्ष 2025 की अंतिम तिमाही में सतर्क बाजार धारणा के बावजूद, उद्योग ने 2024-25 में 1.39 लाख नए औपचारिक फ्लेक्सी श्रमिकों को जोड़ा। आईएसएफ सदस्यों द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले कुल औपचारिक फ्लेक्सी कार्यबल की संख्या 18 लाख हो गई।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद उद्योग की स्थिति मजबूत: आईएसएफ के अध्यक्ष लोहित भाटिया ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, स्टाफिंग उद्योग औपचारिक रोजगार में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बना हुआ है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं वन व्यवस्थापन अधिकारी अनुभाग रायसेन जिला रायसेन

प्रकरण क्रमांक 143/बी-121/2024-25

उद्घोषणा

(धारा -6 भारतीय वन अधिनियम -1927 के अन्तर्गत)

---00---

एतद् द्वारा सर्व संबंधित एवं ग्रामवासियों **ग्राम खोहा प0ह0न0 5 तहसील व जिला रायसेन** को सूचित किया जाता है कि, निम्नलिखित भूमि को भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा -4 के अनुसार मध्यप्रदेश शासन ने आरक्षित वन घोषित करने का विनिश्चय किया है। तदाशय की अधिसूचना मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) में दिनांक **23 जुलाई 1969** को प्रकाशित की जा चुकी है। जिसमें वन की स्थिति एवं सीमाएं विनिर्दिष्ट की गई है। यह भूमि आरक्षित हो जाने पर किसी भी प्रकार का दखल, प्रवेश, उपयोग, मार्ग, एवं चराई अधिकार, वनोपज संबंधी अधिकार, उत्खनन संबंधी अधिकार, कृषि आदि जीवकोपार्जन अधिकार बंद एवं प्रतिबंधित हो जावेगा। उल्लघंन होने पर भारतीय वन अधिनियम 1927 वन संरक्षण अधिनियम 1980 एवं अन्य सुसंगत वन विधियों व विधानों के अंतर्गत दण्डात्मक कार्यवाही की जा सकेगी।

अतः एतद द्वारा अपेक्षा की जाती है कि, इस उद्घोषणा के प्रकाशन दिनांक से तीन माह की अवधि के अन्दर कोई भी या समस्त हितग्राही व्यक्ति, पक्षकार आदि **अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं वन व्यवस्थापन अधिकारी अनुभाग रायसेन** के समक्ष उपस्थित होकर अपने अधिकार, दावाकृत प्रतिकार, स्वत्व आदि बावत् प्रमाणों, दस्तावेजों सहित लिखित सूचना, आपत्ति आदि प्रस्तुत करें तथा प्रमाणित करें। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जाएगा।

आज दिनांक 10.07.2025 को उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

(मुकेश सिंह)
अनुविभागीय अधिकारी
पदेन वन व्यवस्थापन अधिकारी
अनुभाग रायसेन जिला रायसेन

G15680/25

किशोरों और युवाओं को नशे से दूर रखना उद्देश्य, झुग्गी-गरीब बस्तियों पर दिया जाएगा ज्यादा ध्यान

30 जुलाई तक चलेगा नशामुक्ति अभियान

रायसेन, निप्र। मध्य प्रदेश पुलिस ने नशे से दूरी-है जरूरी जन-जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। रायसेन में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने इस अभियान का महामाया चौक से मंगलवार शाम 4:30 बजे शुभारंभ किया। यह अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलेगा। इस अभियान का उद्देश्य प्रदेश को नशामुक्त बनाना है। विधायक डॉ चौधरी ने कहा- नशा स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक नुकसान भी पहुंचाता है। उन्होंने सभी को नशामुक्त भारत बनाने की शपथ दिलाई।

किशोरों और युवाओं को नशे से दूर रखना अभियान का उद्देश्य: एसपी पंकज पाण्डे ने बताया कि अभियान का मुख्य लक्ष्य किशोरों और युवाओं को नशे से दूर रखना है। जो लोग नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें परामर्श और पुनर्वास में मदद की जाएगी। अभियान के दौरान स्कूल-कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम, रैली और पंपलेट वितरण होगा।

झुग्गी और गरीब बस्तियों पर दिया जाएगा विशेष ध्यान: पुलिस विशेष ध्यान झुग्गी और गरीब बस्तियों में जागरूकता फैलाने पर देगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। एसडीओपी प्रतिभा शर्मा ने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में छात्र-छात्राओं को अभियान के बारे में जानकारी दी।

सांची विधायक ने जन्मदिन पर लगाए पौधे, कार्यकर्ताओं ने फलों से तौल कर पहनाई मालाएं

रायसेन। रायसेन में मंगलवार को सांची विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने अपना जन्मदिन मनाया। उन्होंने शासकीय पीएम एक्सीलेंस कॉलेज परिसर और सागर रोड के अमरावत नर्सरी में छायादार और फलदार पौधे लगाए। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने भी उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने फलों से तौल कर मालाएं पहनाईं विधायक ने पाटनदेव हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। भोपाल से रायसेन आने के दौरान कई स्थानों पर उनका स्वागत किया गया। नगर पालिका कार्यालय के सामने नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि जमुना सेन और कार्यकर्ताओं ने फलों से तौल कर उन्हें मालाएं पहनाईं।

जिले में अब तक 569 मिलीमीटर बारिश, पिछले साल से 331 मिलीमीटर ज्यादा

20 मिनट की बारिश से सड़कों पर भरा पानी

रायसेन, निप्र। रायसेन में मंगलवार दोपहर 2 बजे से तेज बारिश शुरू हुई, जो 20 मिनट तक जारी रही। इससे शहर की सड़कों पर पानी भर गया। हालांकि जिले में रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी है। शहर के महामाया चौक से लेकर शहर तिराहे तक रोड पर दुकानों के सामने पानी भर गया। जिससे व्यापारियों को परेशानी का सामना भी करना पड़ा। जिले में इस मानसून सीजन में 1 जून से 15 जुलाई तक 569.5 मिलीमीटर औसत बारिश दर्ज की गई है। यह पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 331.5 मिलीमीटर अधिक है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर रहती है। अब तक उदयपुरा में सबसे अधिक 827 मिलीमीटर बारिश हुई है।

बेगमगंज में 753.2 मिलीमीटर और देवरी में 731 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। सिलवानी में 640 मिलीमीटर, बरेली में 558.4 मिलीमीटर और गैरतगंज में 542.2 मिलीमीटर बारिश हुई। सुल्तानपुर में 479.6 मिलीमीटर, बाड़ी में 444 मिलीमीटर, रायसेन में 376 मिलीमीटर और गौहरगंज में 343.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों में जिले में औसतन 1 मिलीमीटर बारिश हुई। इस दौरान रायसेन में 6.8 मिलीमीटर, गौहरगंज में 2 मिलीमीटर और बेगमगंज में 1.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अन्य केंद्रों में कोई बारिश नहीं हुई।

14 ट्रैक्टर-ट्रालियों में बैठ कलेक्ट्रेट पहुंचे सैकड़ों ग्रामीण, जनसुनवाई में सड़क निर्माण की मांग की, बोले

काम शुरू नहीं हुआ तो चक्काजाम करेंगे

रायसेन, निप्र। रायसेन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान सड़क निर्माण की मांग को लेकर चिलवाहा गांव के ग्रामीण पहुंचे। 14 ट्रैक्टर-ट्रालियों से आए करीब 200 ग्रामीणों ने कलेक्टर के सामने अपनी समस्याएं रखीं।

उन्होंने कहा कि चिलवाहा पंचायत के अंतर्गत आने वाले बड़कुई, घटाकझार, महुआखेड़ा, गुराखाडी और नयापुरा गांव की यह समस्या है। पिछले दो साल से 5.50 करोड़ रुपए की सड़क निर्माण स्वीकृत है। ग्रामीणों ने बताया वन विभाग के हस्तक्षेप के कारण काम शुरू नहीं हो पाया है।

ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में लोगों और वाहनों को आने-जाने में काफी परेशानी होती है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं, जिससे आवागमन मुश्किल हो गया है। कई बार गंभीर स्थिति में महिलाओं की रास्ते में ही मौत हो चुकी है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस मुद्दे को पहले भी कई बार उठाया गया है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो अगली जनसुनवाई में चक्का जाम करेंगे। ग्रामीणों ने कलेक्टर से स्वीकृत सड़क निर्माण को जल्द से जल्द शुरू करवाने की मांग की है। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुन निराकरण करने आश्वासन दिया है।

जंगल में लापता बुजुर्ग का शव मिला, परिजनों ने कपड़ों से की पहचान

विदिशा। विदिशा जिले के लटेरी स्थित महावन के जंगलों में मंगलवार को एक 70 वर्षीय बुजुर्ग का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ है। शव की पहचान छीतर लाल अहिरवार (70) के रूप में हुई है, जो 9 जुलाई को बड़ी मंदाग्नि आश्रम जाने की कहकर घर से निकले थे और लौटे नहीं। परिजनों ने लटेरी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी और छह दिनों से उनकी तलाश कर रहे थे। मंगलवार दोपहर सूचना मिली कि आश्रम के पास जंगल में एक शव पड़ा है। परिजन मौके पर पहुंचे और कपड़ों व जूतों से शव की पहचान की। जंगली जानवर के हमले की आशंका शव पूरी तरह क्षत-विक्षत था। पुलिस का कहना है कि संभवत: जंगली जानवरों ने हमला किया होगा। हालांकि अन्य बिंदुओं पर भी जांच जारी है। सबूत जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया।

कायस्थ समाज ने जांच और गिरफ्तारी की मांग की, एसपी ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया

सड़क हादसे को साजिश व सुनियोजित हमला बताया

विदिशा, निप्र। विदिशा में सोमवार को कायस्थ समाज के लोगों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक रोहित कशवानी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने शनिवार रात हुए सड़क हादसे को साजिश बताते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। समाजजनों का कहना था कि यह आम दुर्घटना नहीं, बल्कि सुनियोजित हमला था, जिसमें वार्ड 24 के पार्षद पति को निशाना बनाया गया।

घटना शनिवार देर रात लड्डा एजेंसी रोड की है। वार्ड 23 के पार्षद पति जमुना कुशवाहा और वार्ड 24 के पार्षद पति धर्मेंद्र सक्सेना बाइक से घर लौट रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे में दोनों घायल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है।

घायल बोले- संभलने का मौका नहीं मिला: जमुना कुशवाहा ने बताया था कि टक्कर इतनी तेजी से हुई कि वे कुछ समझ भी नहीं पाए। घटना के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से भाग गया। पूरी घटना सड़क किनारे लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है, जिसकी जांच पुलिस कर रही है।

समाज बोला- पार्षद को निशाना बनाया गया: ज्ञापन देने पहुंचे समाज के लोगों ने कहा कि यह मामला जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा से जुड़ा है और इसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो कायस्थ समाज आंदोलन करेगा।

एसपी रोहित कशवानी ने मामले की निष्पक्ष जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। फिलहाल दोनों घायलों की हालत स्थिर है और मामले की जांच जारी है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने नागरिकों की समस्याओं का किया निराकरण

रायसेन, निप्र। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में प्रति मंगलवार की भांति आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए उनका निराकरण किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर समस्याओं को निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले की विभिन्न तहसीलों से आए नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान हेतु निर्देशित किया। जनसुनवाई में अनेक विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी जनसुनवाई में शामिल हुए।

जनसुनवाई से वयोवृद्ध दम्पति को मिला तीन माह का राशन

विदिशा, निप्र। जनसुनवाई कार्यक्रम आमजनो की समस्याओं के निदान का केन्द्र बना है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा 15 जुलाई को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में वायोवृद्ध सावित्री बाई और उनके पति चिरौजीलाल ने आवेदन प्रस्तुत करते हुए उचित मूल्य दुकान से राशन ना मिलने की शिकायत दर्ज कराई थी। कलेक्टर गुप्ता ने शिकायत को अतिगंभीरता से लेते हुए जनसुनवाई कार्यक्रम में मौजूद जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि वायोवृद्ध आवेदको को तीन माह का राशन जनसुनवाई कार्यक्रम समाप्ति के पूर्व दिलाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर की पहल रंग लाई और वायोवृद्ध आवेदिका सावित्री बाई पति चिरौजीलाल निवासी वार्ड 35 राजीवनगर को पिछले तीन माह का राशन जेल रोड स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान से कुल तीस किलो प्रदाय कराया गया है। राशन मिलने की खुशी वायोवृद्ध दम्पति के चेहरो पर झलक रही थी।

जिले में अतिवृष्टि या बाढ़ की स्थिति से निपटने संचालित है कंट्रोल रूम

रायसेन। जिले में अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कार्यालय रायसेन में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम में ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल संबंधी समस्या के निराकरण हेतु भी सम्पर्क किया जा सकता है। रायसेन जिले में अतिवृष्टि या बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री गिरीश काम्बले को दूरभाष नम्बर 07482-290240 पर या मो.न. 8349922083 पर सूचना दी जा सकती है। साथ ही नियंत्रण कक्ष प्रभारी वरूण दुपारे उपयंत्री मो.न. 8447737627 तथा दीपक राय जिला समन्वयक मो.न. 8085523116 पर अवगत कराया जा सकता है। इसी प्रकार विकासखण्ड सांची अंतर्गत उपयंत्री वरूण दुपारे मो.न. 8447737627 पर, गैरतगंज विकासखण्ड अंतर्गत उपयंत्री सतीश बारपेटे मो.न. 9425992986, बेगमगंज विकासखण्ड अंतर्गत उपयंत्री जितेन्द्र अहिरवार मो.न.9074274192, सिलवानी विकासखण्ड अंतर्गत पम्प ऑपरेटर कैलाश रघुवंशी मो.न.8085979966 को अवगत कराया जा सकता है।

युवक की जंगल में मिली लाश, सिर कुचलकर हत्या की आशंका, परिजन बोले

किसी ने बालाजी दर्शन के बहाने बुलाया था

विदिशा, निप्र। विदिशा के लटेरी में सोजनाखेड़ी रोड स्थित जंगल में (मंगलवार) एक युवक का शव मिला है। उसकी पहचान गुना जिले के मधुसूदनगढ़ निवासी 20 वर्षीय संजू लोधी के रूप में हुई है।

संजू के परिजनों के अनुसार, 12 जुलाई को सुबह 10 बजे संजू को एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने परिवार को राजस्थान के कामखेड़ा बालाजी दर्शन जाने की बात कही और घर से निकल गया। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। तीन दिन तक तलाश के बाद परिजनों ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। आज गुना सीमा से लगे जंगल में युवक का शव मिलने की सूचना मिली। पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंची। युवक की हत्या पत्थर से सिर कुचलकर करने की आशंका है। घटनास्थल से संजू की बाइक भी बरामद हुई है। आशंका जताई जा रही है कि संजू को किसी साजिश के तहत जंगल में बुलाया गया था। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए विदिशा जिला अस्पताल भेजा गया है। परिजनों ने न्याय की मांग की है।

डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता रथ कर रहा जागरूक

विदिशा। डेंगू की रोकथाम व नियंत्रण के लिए शहरी क्षेत्र विदिशा में चलाए जा रहे डेंगू जागरूकता रथ के द्वारा खरीफाटक, पीतलमील, राघवजी कालोनी, तोपपुरा, मोहनगिरी एवं अरिहंत बिहार कालोनी में भ्रमण कर आम नागरिकों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है तथा मलेरिया टीम के द्वारा 89 घरों में लार्वा सर्वे किया गया जिसमें 05 घरों में लार्वा पाया गया। जिसे कीटनाशक दवा डालकर नष्ट किया गया है। जनसमुदाय से अपील की गई है की वह अपने घर के सभी पानी के कंटेनर, कूलर, फ्रिज, टंकिया, टायर को प्रति सप्ताह जांच ले की एडीज मच्छर के लार्वा तो नही पनप रहे, व खाली कर सफाई कर दें। पानी के बड़े कंटेनर जिनकी सफाई व ढंकना संभव न हो तो उनमें मीठा तेल प्रति सप्ताह डालें। मच्छरों के काटने से स्वयं बचाव करें, पूरे शरीर ढंकने वाले कपड़े पहने, दिन के समय बच्चों व वृद्धों को मच्छरदानी के अंदर सोने की सलाह दी जाए, मॉस्किटो कॉइल का उपयोग करे, शाम के समय नीम पत्तियों का धुआं करे। तेज बुखार, आंखों के पीछे दर्द, शरीर पर चकत्ते, मांसपेशियों में दर्द, जोड़ो में दर्द, नाक व मसूड़ों से रक्तस्राव होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क कर डेंगू की जांच जिला चिकित्सालय विदिशा या अटल बिहारी वाजपेयी मेडीकल कालेज में डेंगू एलिसा टेस्ट नि:शुल्क कराए। इस प्रकार जिले में डेंगू के संचरण के प्रसार को समाप्त या कम करने में सहयोग करें।

उद्यान विभाग में जिला रिसोर्स पर्सन हेतु आवेदन 28 तक आमत्रित

विदिशा। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खादय प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) स्कीम अंतर्गत योजना के दिशा निर्देश अनुसार जिला स्तरीय कियान्वयन समिति का गठन किया जा चुका है। आत्म निर्भर भारत अभियान के दिशा-निर्देश अनुसार जिला एवं क्षेत्रीय स्तर पर सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने के इच्छुक लाभार्थियों को हँड होल्डिंग सहायता उपलब्ध कराने हेतु जिला रिसोर्स पर्सन (फेसिलेटर) के रुप मे चयन किया जाना है। जिला रिसोर्स पर्सन फेसिलेटर के रुप मे नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र 28 जुलाई तक आमंत्रित किए गए हैं। जिला रिसोर्स पर्सन के कार्यों के संबंध में उघानिकीय विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि रिसोर्स पर्सन, एकल उद्योगो एवं समूहो को डीपीआर तैयार करने बैंक से ऋण लेने एफएसएसएआई के खाद्य मानको, उद्योग आधार, जीएसटी आदि सहित आवश्यक पंजीकरण एवं लायसेंस प्राप्त करने मे सहायता जैसी हेल्ड होल्डिंग सेंवाये प्रदान करेगें। प्रत्येक लाभार्थी को उपलब्ध कराई गई सहायता के आधार पर रिसोर्स पर्सन को भुगतान बैंक से ऋण स्वीकृति के आधार पर बीस हजार रुपए के मान से किया जायेगा।

सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर डाला, तीन किलोमीटर पक्की सड़क की मांग

कीचड़ भरे रास्ते से स्कूल जाने को मजबूर मासूम छात्र

रायसेन, निप्र। जनपद पंचायत सिलवानी से सिर्फ 12 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत बटेर के अंतर्गत आदिवासी बहुल टोला बड़ा खेत आज भी पक्की सड़क जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित है। यहां के दर्जनों बच्चे और छात्राएं रोजाना दलदली, कीचड़ भरे रास्ते से फिसलते-पड़ते करीब तीन किलोमीटर दूर ग्राम खेरी के स्कूल तक जाने को मजबूर हैं। बड़ा खेत से खेरी स्कूल तक का करीब 3 किमी का कच्चा रास्ता बरसात में दलदल में बदल जाता है। बच्चों के कपड़े और किताबें कीचड़ से खराब हो जाती हैं। कई बार फिसलने से बच्चे घायल हो जाते हैं और कई बार स्कूल भी नहीं पहुंच पाते।

बच्चों ने वीडियो बनाकर लगाई मुख्यमंत्री से गुहार: इन हालातों से परेशान होकर बच्चों ने सोशल मीडिया का सहारा लिया है। कीचड़ में फिसलते हुए बच्चों का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें छोटे बच्चे और छात्राएं सीएम मोहन यादव, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा और जनपद अधिकारियों से सड़क बनाने की मांग कर रहे हैं।

एक छात्रा वीडियो में कहती है, हम पढ़ना चाहते हैं, लेकिन कीचड़ नहीं जाने देता। किताबें भीग जाती हैं, कपड़े गंदे हो जाते हैं। हमें स्कूल जाने के लिए पक्की सड़क चाहिए।

आवेदन देने के बाद भी नहीं हुई सुनवाई: ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत, जनपद और जिला स्तर पर कई बार आवेदन दिए गए, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। सड़क की कमी बच्चों की पढ़ाई को प्रभावित कर रही है।

बुनियादी सुविधाओं से वंचित बड़ा खेत: शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क जैसी जरूरतें आज भी यहां अधूरी हैं। प्रशासनिक अनदेखी का नतीजा यह है कि बच्चों को शिक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। हर साल आदिवासियों के नाम पर योजनाएं और बजट बनते हैं, लेकिन जमीनी हालात जस के तस हैं।

ओडिशा में छात्रा से रेप मामले में एबीवीपी का प्रदर्शन, रैली निकाल कलेक्ट्रेट पहुंचे कार्यकर्ता

विदिशा। ओडिशा के एक कॉलेज में छात्रा के साथ हुए दुष्कर्म मामले में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मंगलवार को विदिशा में विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। एबीवीपी ने कहा कि शिक्षा संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए। संगठन ने एनएसयूआई पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। एबीवीपी की नेता शालिनी वर्मा ने बताया कि पीड़िता ने आरोपी प्रोफेसर समीर के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। कार्रवाई न होने पर छात्रा ने आत्मदाह कर लिया। आरोपी को तो फांसी होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि एनएसयूआई पीड़िता का नहीं बल्कि आरोपी प्रोफेसर का समर्थन कर रही है। संगठन का कहना है कि जो लोग इस मामले को राजनीतिक रंग दे रहे हैं।

जैन समाज का प्रदर्शन, कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

गिरनार तीर्थक्षेत्र में जैन श्रद्धालुओं को रोकने पर कलेक्टर को दिया ज्ञापन

विदिशा, निप्र। गुजरात के श्री गिरनार जी तीर्थक्षेत्र में जैन श्रद्धालुओं को दर्शन से रोके जाने का मामला सामने आया है। जिसके विरोध में मंगलवार को विदिशा में सकल दिगंबर जैन समाज ने कलेक्टोरेट में प्रदर्शन किया। जैन समाज की महिला मंडल के पदाधिकारियों ने डिप्टी कलेक्टर संतोष विटोलिया को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में जैन समुदाय पर हुए हमलों की निंदा की गई: ज्ञापन में गिरनार धर्म क्षेत्र में हो रहे अवैध अतिक्रमण और जैन समुदाय पर हुए हमलों की निंदा की गई है। जैन समाज का कहना है कि गिरनार एक पवित्र तीर्थक्षेत्र है। यहां कुछ असामाजिक तत्व अवैध निर्माण कर धर्मस्थल की गरिमा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। महिला मंडल की ज्योति जैन ने कहा- पवित्र स्थल पर हो रहे अतिक्रमण से दुखी हैं। राष्ट्रपति से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। यह पूरे जैन समाज की आस्था का विषय है। अगर कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे।

गिरनार जी में निर्माण महोत्सव में हुई घटना का देशभर में विरोध: जैन समाज के अनुसार गिरनार जी उनका पूजनीय तीर्थ क्षेत्र है। वहां 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ जी को मोक्ष प्राप्त हुआ था। 2 जुलाई को गिरनार जी में निर्माण महोत्सव के दौरान जो घटना हुई, उसका समाज विरोध कर रहा है। देशभर में इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और सरकार से न्याय की मांग की जा रही है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा भोपाल- 462023 (म.प्र.) भोपाल से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9981502276, 27054436, 9826735596. भोपाल कार्यालय : 4240007. स्थानीय व्यवस्थापक श्याम अग्रवाल मो. नं. 9826735596 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।